राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 296 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,30 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

कूड़ा ढोने वाली गाड़ी में श्मशान घाट ले जाया गया शव

शिमला। कोरोना की दूसरी लहर ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया है। मरीजों की संख्या में बेतहाशा इजाफा होने से व्यवस्था चरमराती जा रही है। ऑक्सीजन की कमी के कारण मरीजों की जान जा रही है। मरीज की मौत के बाद शव के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश में कोरोना के कारण जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के शव को कूड़े की गाड़ी में श्मशान स्थल तक ले जाने का मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने उन दावों की जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें सोलन जिले में कोविड-19 के कारण मरे एक व्यक्ति का शव कूड़े की गाड़ी में श्मशान स्थल तक ले जाया गया।

भारत में 2 मई से पहले मॉनसून आने का अनुमान

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई सीजनल क्लाइमेट आउटलुक फोरम और क्लाइमेट सर्विसेज यूजर्स फोरम के संयुक्त बयान में बताया कि इस साल उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व समेत कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश की संभावना है। इस साल दक्षिणी एशिया में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभवाना है। जून से सितंबर के बीच ज्यादा बारिश होने की उम्मीद जताई गई है। दक्षिण एशियाई मौसमी जलवायु आउटलुक फोरम और जलवायु सेवा उपयोगकताओं के फोरम की ओर से जारी बयान में कहा कि जून से सितंबर के दौरान दक्षिण-एशियाई में बारिश सामान्य ज्यादा होगी।

एक दिन में रिकॉर्ड 3.79 लाख से ज्यादा मरीज मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना से हालात बेहद खराब हो गए हैं। हर दिन संक्रमितों और मौतों का नया आंकड़ा सामने आ रहा है। पहली बार एक दिन में 3 लाख 79 हजार 164 नए मरीजों की पुष्टि हुई। अब तक एक दिन के अंदर मिले नए मरीजों का ये आंकड़ा सबसे अधिक है। इससे पहले 27 अप्रैल को सबसे ज्यादा 3.62 लाख मरीजों की पहचान हुई थी।

मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र में मांग से ज्यादा और दिल्ली में ऑक्सीजन कम क्यों, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा

नई दिल्ली । देश की राजधानी में कोरोना वायरस की भयावह रफ्तार के बीच ऑक्सीजन की किल्लत को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से ऑक्सीजन प्लांट को लेकर सवाल पूछे तो केंद्र सरकार को भी जमकर घेरा. हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा कि जिन 8 ऑक्सीजन प्लांट के शुरू होने की बात सरकार ने कही थी, उसका क्या हुआ. इसके अलावा हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से ये साफ करने को है कि आखिर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को उनकी मांग से ज्यादा ऑक्सीजन क्यों मिल रहा है, जबकि दिल्ली जितनी मांग कर रहा है, उससे कम उसे ऑक्सीजन मिल रही है.

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार पर उसके लिए असंवेदनशील रवैया रखने का आरोप लगाया. दिल्ली सरकार के वकील राहुल मेहरा ने कहा कि केंद्र दिल्ली की जनता के लिए पूरी तरह उदासीन और असंवेदनशील है. हमने 700 मेट्रिक टन मांगी थी. अलॉट 490 टन पर हुई, पर वो 490 भी हॉस्पिटल तक नहीं मिल रहा. केंद्र पूरी तरह से दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों में नाकामयाब साबित हो रही है. अब बहुत हो चुका है. वो केंद्र सरकार है, सिर्फ इसलिए हम चुप नहीं बैठेंगे. कोर्ट को इस पर आदेश पास करना चाहिए.

दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि हमें केंद्र से ऑक्सीजन चाहिए, पेपर ऑर्डर नहीं. कोर्ट इस बारे में उपयुक्त आदेश पास करे. सरकार बताए ऑक्सीजन उत्पादन की कितनी सामर्थ्य है, क्योंकि सारे संसाधन तो उसके पास है. कितना ऑक्सीजन किस राज्य को आवंटन हो रहा है. राज्यों ने कितनी मांग की, कितना मिला, मांग के मुताबिक, क्यों नहीं मिला. ऑक्सीजन प्लांट को लेकर दिल्ली सरकार ने बताया कि 2 पहले से ऑपरेशनल हैं. 30 मई तक 2 और प्लांट हो जाएंगे, बाकी के लिए भी दिल्ली सरकार मंजूरी दे चुकी है.

इस दौरान एमकिस क्युरी चन्द्रशेखर राव ने कहा कि इसमें दो राय नहीं कि दिल्ली जितनी ऑक्सीजन की मांग कर रहा है, उसके नजदीक भी नहीं मिल रहा है. मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र को मांग से ज्यादा मिल रहा है. ऐसा इसलिए भी हो सकता है कि महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा केस है. सप्लाई में एक बड़ी दिक्कत क्रायोजेनिक टैंकर की कमी होना भी है. इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से तुषार मेहता ने कहा कि ये संकट का वक्त है. बेवजह बहस में उलझना पैनिक ही पैदा करेगा. दिल्ली के लोग हमें इतने ही प्रिय है, जितने केरल के. अभी दिल्ली को जितनी ऑक्सीजन मिल रही है, हमारे लिहाजा से वो पर्याप्त है.

इस पर कोर्ट ने एतराज जताते हुए कहा कि ये सही नहीं लगता. हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते. हमें दिल्ली की जानकारी है. आप ये भी देखें कि मध्य प्रदेश के बारे में एमिकस क्युरी ने क्या कहा है. एसजी तुषार मेहता ने कहा कि हमें इस लिहाज से नहीं देख सकते कि हमारे जानने वाले मर रहे हैं. यानी दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों का भी ख्याल रखना है. कोर्ट ने कहा कि हमें पता है. हम ये नहीं कह रहे हैं कि बाकी राज्यों के लोगों को मरने दें. इस पर फिर तुषार मेहता ने कहा कि दिल्ली के साथ दिक्कत ये है कि जितनी उनको सप्लाई हो रही है, वो उसे लिफ्ट नहीं कर पा रहे हैं. केंद्र सरकार इस स्तर पर भी दिल्ली की सहायता कर रही है.

इसके बाद कोर्ट ने पूछा कि जब इतने लोगों की तादाद बढ़ रही है. ऑक्सिजन अलॉटमेंट का नंबर वहीं क्यों अटका है. इस पर स्त तुषार मेहता ने कहा कि नहीं ऐसा नहीं है. हालात लगातार बदल रहे हैं, उस लिहाज से हम कदम उठा रहे हैं, ये स्थिति बिल्कुल अप्रत्याशित है. इसके बाद कोर्ट ने कहा कि हमारे यहां कहने का ये मतलब नहीं कि केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही. स्त तुषार मेहता ने कहा कि कोई पैनिक नहीं होना चाहिए. इसके बाद जस्टिस सांघी ने कहा कि पैनिक मेरे या मेरे साथी जज की टिप्पणी से नहीं हो रहा है. पैनिक तो ग्राउंड पर है.

भारत को सप्लाई के लिए हमारे पास सरप्लस वैक्सीन डोज नहीं : ब्रिटेन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटेन फिलहाल कोरोना संकट में अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे में उसके पास कोरोना वैक्सीन की सरप्लस डोज नहीं है, जिसे इस स्थिति में भारत समेत किसी अन्य देश के साथ शेयर किया जा सके। डाउनिंग स्ट्रीट ने यह बात कही। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर का जिक्र करते हुए ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी तरफ से भारत को 495 ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर्स, 120 नॉन-इनवेजिव वेंटिलेटर्स और 20 मैन्युअल वेंटिलेटर्स की सप्लाई की जा रही है। ब्रिटेन से 95 ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर्स और 100 वेटिंलेटर्स की पहली खेप दिल्ली पहुंच गई। ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा, हमने फरवरी में वादा किया था कि हम उन देशों को अपनी ओर से सप्लाई करेंगे, जिन्हें जरूरत है। हमारी ओर से उन चीजों की सप्लाई की जाएगी, जिनकी हमारे अधिकता होगी। ब्रिटिश पीएम के प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल हमारी प्राथमिकता ब्रिटिश जनता है। इसके चलते हमारे पास अतिरिक्त डोज नहीं हैं, लेकिन हम लगातार समीक्षा कर रहे हैं। हम यह समझते हैं कि जब तक सभी लोग इस महामारी से सुरक्षित नहीं हैं, तब तक कोई भी सेफ नहीं है। इसीलिए ब्रिटेन ने कोरोना संकट से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है और भारत को भी संबंधित उपकरणों और ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर्स आदि की सप्लाई की है। इस बीच ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के लोगों ने बड़े पैमाने पर फंड जुटाया है ताकि भारत को मदद दी जा सके। ऑक्सीजन कन्सनट्रेटर्स समेत तमाम जरूरी चीजों की सप्लाई में इसे खर्च किया जाएगा। बता दें कि अब तक ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, यूएई, सऊदी अरब समेत कई देशों ने भारत को मदद की पेशकश की है। इसके अलावा अमेरिका ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से बातचीत के बाद अपना रुख बदला है। अमेरिका ने शुरूआत में कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड को तैयार करने के लिए जरूरी कच्चे माल की सप्लाई पर रोक हटाने से इनकार कर दिया था।

भारत बायोटेक ने घटाई टीके की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने कोहराम मचा रखा है। कई दिनों से प्रतिदिन साढ़े तीन लाख से अधिक कोरोना केस मिल रहे हैं। लगातार कोरोना मरीजों और कोविड से होने वाली&ल्लु2स्र;मौतों में बढ़ोतरी ने दहशत पैदा कर दी है। महमारी के कहर से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई है। जिसके बाद भारत बायोटेक ने ने राज्यों के लिए कोरोना वैक्सीन 'कोवाक्सीन' की कीमत घटा दी है। अब यह वैक्सीन राज्यों को 600 रुपये की जगह 400 रुपये में मिलेगी। बता दें कि इससे पहले&ल्लु2स्र;सीरम इंस्टीट्यूट ने भी राज्यों के लिए इसकी कीमत 400 रुपये से घटाकर 300 रुपये कर दिया था। अस्पताल ऑक्सीजन, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की कमी का सामना कर रहे हैं। संकट के समय में करीब 20 देश भारत की मदद को आगे आए हैं। देश में पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 3.80 लाख के करीब नए कोरोना मरीज मिले हैं और 3,645 से ज्यादा लोगों की संक्रमण से जान चली गई।

दवाइयां-वेंटिलेटर व ऑक्सीजन कंसंट्रेटर लेकर भारत आए 2 रूसी विमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वायरस के संकट से भारत बुरी तरह प्रभावित है। कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से देश ऑक्सीजन से लेकर वेंटिलेटर की कमी से जूझ रहा है। ऐसे संकट के वक्त में एक बार फिर से भारत की मदद के लिए उसका सबसे पुराना साथी रूस सामने आया है। भारत की मदद के लिए दवाइयां, वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर समेत अन्य सामान लेकर रूस के दो विमान दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचे हैं। इस बात की जानकारी सेंट्र बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने दी है। सीबीआईसी ने बताया है कि रूस से दो विमान दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे हैं, जिनमें 20 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 75 वेंटिलेटर, 150 बेडसाइड मेडिकल मॉनिटर, 22 मिलिनय टन दवाएं शामिल हैं। एयर कार्गो और दिल्ली कस्टम के स्टाफ इसके क्लीयरेंस को लेकर काम कर रहे हैं। बता दें कि भारत के लिए मानवीय सहायता लेकर रूस से दो विमान 28 अप्रैल को चले थे। दोनों विमान रात में मॉस्को के समीप जुकावस्की हवाई अड्डे से रवाना हुए थे। हवाई अड्डा के प्रवक्ता ने बताया कि पहले विमान ने स्थानीय समयानुसार पांज बजे उड़ान भरी जबकि दूसरा विमान करीब आठ बजे भारत के लिए रवाना हुआ था। रूस ने पहले ही भारत को 22 टन से अधिक कोविड-19 निरोधक उपकरण और दवाएं देने की प्रतिबद्धता जतायी थी। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि हमारी सशक्त रणनीतिक साझीदारी को और गति देने के लिए राष्ट्रपति पुतिन एवं मैंने हमारे विदेश एवं रक्षा मंत्रियों के बीच टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय संवाद प्रणाली स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत में कोविड की स्थिति पर चर्चा की और रूस की ओर से मिलने वाली मदद के लिए पुतिन को धन्यवाद दिया।

एलपीजी सब्सिडी : गरीबों के बजाय संपन्न लोगों को मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट द्वारा किए गए अध्ययन में कहा कि सब्सिडी मानकों में बदलाव करना चाहिए।गरीबों के लिए लाई गई केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ गरीबों के बजाय संपन्न परिवारों को मिल रहा है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है कि सब्सिडी मानकों में बदलाव करना चाहिए। अगर सरकार ने एलपीजी सब्सिडी के नियमों में बदलाव नहीं किया तो गरीब परिवारों को अपेक्षा से कम लाभ प्राप्त होगा। झारखंड में किए गए आकलन में पाया गया कि सब्सिडी नीति के डिजाइन में बदलाव नहीं होने से गरीब परिवारों को संपन्न उपभोक्ताओं के मुकाबले दोगुना कम लाभ होगा। 40 फीसदी गरीब परिवारों को 2019 में 30 फीसदी से कम लाभ मिला। संपन्न परिवारों ने सब्सिडी का अधिक लाभ उठाया।

कोरोना संकट को लेकर केंद्र सरकार पर बरसी शिवसेना, सुप्रीम कोर्ट को बताया मूकदर्शक

मुंबई । शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कोरोना संकट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। इसके साथ ही शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट पर भी हमला बोलते हुए उस पर अब तक मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है कि नरेंद्र मोदी की लीडरशिप वाली केंद्र सरकार कोरोना संकट से निपटने में असफल रही है। शिवसेना ने कहा कि देश में स्वास्थ्य का ढांचा ध्वस्त हो चुका है और देश में मेडिकल ऑक्सीजन, बेड और वैक्सीन की कमी चिंता का विषय बनी हुई है।

बीजेपी पर तंज कसते हुए शिवसेना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। आखिर इसके लिए बीजेपी के नेता किससे इस्तीफा मांगेंगे। सामना में शिवसेना ने लिखा, महाराष्ट्र के कोविड अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं पर बीजेपी की ओर से राय सरकार से इस्तीफा मांगा जा रहा था। लेकिन अब पूरे देश में अंतिम संस्कार के लिए श्मशान तक की कमी देखने को मिल रही है। इसके साथ ही सामना के जरिए शिवसेना ने सुप्रीम कोर्ट पर भी निशाना साधा है। शिवसेना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बंगाल चुनाव और उत्तराखंड में कुंभ के आयोजन को लेकर भी चुप्पी साधे रखी थी।

शिवसेना ने लिखा, देश इस गहरे संकट से जूझ रहा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट अब तक चुप्पी साधे बैठा था। पश्चिम बंगाल में सत्ता का संघर्ष, हरिद्वार में कुंभ और सुप्रीम कोर्ट के मूकदर्शक बनकर बैठने की वजह से कोरोना संकट बढ़ा है। इसके साथ ही शिवसेना ने बंगाल में रैलियों को संबोधित करने के दौरान मास्क न पहनने पर गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि बंगाल में रैलियों और कुंभ के दौरान बड़ी संख्या में लोग बिना मास्क के नजर आए थे। शिवसेना ने कहा कि एक तरफ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो रहा था तो दूसरी तरफ पुलिस, चुनाव आयोग और अदालतें मूक दर्शक बनकर बैठी रहीं।

यूपी में अब तीन दिन का लॉकडाउन

लखनऊ, (एजेंसी)। यूपी में तेजी से फैल रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए यूपी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में अब तीन दिन लॉकडाउन रहेगा। शुक्रवार रात 8 बजे से मंगलवार सुबह 7 बजे तक लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। अभी शनिवार और रविवार को साप्ताहिक बंदी थी। इसमें अब सोमवार को भी जोड़ दिया गया है। लखनऊ में टीम 11 के साथ वर्चुअल मीटिंग में सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में कोविड संक्रमण से स्वस्थ होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में हमें और सतर्कता बरतनी होगी। सभी जिलों में रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू और साप्ताहिक बंदी प्रभावी है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कोरोना कर्फ्यू बहुत उपयोगी है। ऐसे में अब शुक्रवार रात्रि 08 बजे से मंगलवार प्रातः 07 बजे तक साप्ताहिक बन्दी होगी। इस अवधि में केवल आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं ही यथावत जारी रहेंगी। औद्योगिक गतिविधियां और वैक्सीनेशन कार्य साप्ताहिक बंदी में भी जारी रहेंगी। सीएम योगी ने कहा कि इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि रेमेडेसीवीर

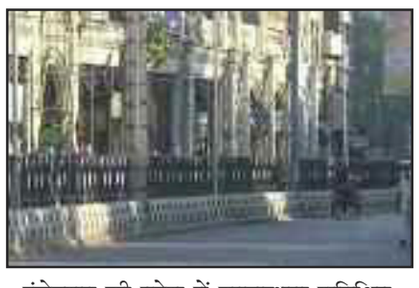

इंजेक्शन की प्रदेश में उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। सभी जिलों हर दिन रेमेडेसीवीर उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी अस्पतालों में यह दवा फ्री में उपलब्ध कराई जा रही है, प्राइवेट अस्पतालों को जरूरत पर इसकी आपूर्ति कराई जा रही है। जिला प्रशासन इस दवा की मांग,आपूर्ति और खपत का पूरा विवरण जरूर रखें। डीआरडीओ के सहयोग से लखनऊ और वाराणसी में सभी सुविधाओं से युक्त कोविड असप्ताल तैयार कराया गया है। जल्द ही यह क्रियाशील हो जाएगा। स्वास्थ्य विभाग संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इस कोविड अस्पताल के संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंधन सुनिश्चित कराए। सीएम ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति हर दिन बेहतर होती जा रही है। उत्तर प्रदेश में उपलब्ध सभी संसाधनों को आपूर्ति चेन से जोड़ने के साथ-साथ ऑक्सीजन एक्सप्रेस, वायु मार्ग जैसे विशेष साधनों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। रुड़की, देहरादून, जमशेदपुर, बोकारो आदि क्षेत्रों से ऑक्सीजन की सतत आपूर्ति हो रही है। कल की तरह आज भी 650 मीट्रिक टन से अधिक की आपूर्ति होनी है। सभी जिलों के सभी छोटे-बड़े अस्पतालों की जरूरत पर नजर रखी जाए। उन्हें आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन में इलाजरत लोगों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। सीएम हेल्पलाइन से इन लोगों से हर दिन संवाद बनाया जाए। तय प्रोटोकॉल के अनुरूप इन्हें दवाओं का मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। ऐसे मरीजों के लिए टेलीकन्सल्टेशन व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बुधवार देर रात तक 29824 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले। इससे पहले एक दिन में 30 हजार से कम मामले 20 अप्रैल को आए थे। बीते 24 घंटों में प्रदेश में 266 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हुई।

चेन्नई में कोविद -19 कोरोनावायरस पर जागरूकता फैलाने के लिए ट्रैफ़िक पुलिस कर्मी एक बाइक रैली में भाग लेते हुए।

सिर्फ 15 फीसदी मरीजों को ही अस्पताल जाने की जरूरत

जिनेवा, (एजेंसी)। डब्लूएचओ ने कहा है कि भारत में कोरोना की भयावह लहर के लिए वायरस के एक म्यूटेशन को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं। इसके पीछे कई कारण हैं। पहली लहर थमने के बाद शुरू हुए भारी भीड़ वाले आयोजन, ज्यादा संक्रामक वैरिएंट और वैक्सीनेशन की धीमी रफ्तार ने भारत में कोरोना को बेकाबू कर दिया। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता तारिक जसारेवीव ने कहा, भारत में आई इस सुनामी के लिए बहुत हद तक कोरोना से लडे के लिए जरूरी व्यवहार का पालन न करना भी वजह है। दहशत के चलते अस्पतालों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है। संक्रमण से ग्रस्त केवल 15त्न लोगों को अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ती है। इनमें से भी बहुत कम को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। फिलहाल, समस्या ये है कि लोग अपनों को लेकर तेजी से अस्पताल भाग रहे हैं, क्योंकि उन्हें सही सूचना नहीं मिल रही। 85त्न मामलों में घर पर कोरोना का इलाज हो सकता है। लोगों को सुरक्षित होम केयर के बारे में जानकारी देनी चाहिए। वहीं, डब्लूएचओ प्रमुख टेड्रोस एडहॉनम घेब्रयासिस ने कहा, हेल्थ सुविधाओं की कमी झेल रहे भारत को 4,000 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेज रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के चीफ मेडिकल एडवाइजर डॉ एंथनी फाउची ने कहा है कि दुनिया के तमाम देश भारत को कोरोना की इस भयावह त्रासदी से बचाने में नाकाम रहे। अमीर देश दूसरे जरूरतमंद देशों को जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं की न्यायसंगत उपलब्धता सुनिश्चित करने में फेल रहे हैं। भारत के मौजूदा हालात इसी वैश्विक असमानता को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा, वैश्विक महामारी से निपटने के लिए वैश्विक एकता जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। डब्ल्यूएचओ कोवैक्स इनीशिएटिव के तहत भारत की मदद तेज करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि इससे अधिक करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह ऐसी जिम्मेदारी है जो संपन्न देशों को निभानी चाहिए। अमेरिका भी मदद बढ़ा रहा है। हम ऑक्सीजन, रेमडेसिविर, पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्वीपमेंट सुविधाएं भेज रहे हैं। जल्द ही वैक्सीन भी भेजेंगे।

चीन में नर्सरी स्कूल पर चाकूबाज का हमला, 16 बच्चे घायल

पेइचिंग, (एजेंसी)। चीन के ग्वांग्शी प्रांत में एक नर्सरी स्कूल पर एक व्यक्ति ने चाकू से हमला करके 16 बच्चों को घायल कर दिया। इसमें से दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में भी लिया है। इस हमलावर ने कुल 18 लोगों को चाकू मारा, जिसमें 16 बच्चे हैं। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, यह हमला ग्वांग्शी के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के बीलियू शहर में हुआ। कई रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की गई है। हमलावर की उम्र 25 साल बताई जा रही है, लेकिन हमला करने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। बच्चों को जिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहां के डॉक्टरों ने लोगों से खून डोनेट करने की अपील की है। जिसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अपना-अपना खून देने के लिए अस्पताल में इक़ा हुए हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच में जुटा हुआ है। पिछले साल जून में भी ग्वांग्शी प्रांत के एक दूसरे नर्सरी स्कूल पर चाकूबाज ने हमला किया था। इस हमले में शिक्षक और बच्चे समेत कुल 39 लोग घायल हुए थे। चीनी मीडिया ने बाद में बताया था कि वुजू शहर में वांगफू टाउनशिप में स्कूल में हुए इस हमले को एक सुरक्षा गार्ड अंजाम दिया था। जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

सोमालिया में एक सैन्य ठिकाने पर हुए हमले में करीब तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि कई अन्य घायल हो गये।

तस्मानिया में हुई गोलीबारी के 25 साल पूरे होने और इसमें मारे गये लोगों की याद में गैली माइलर एक पूल में फूलों को चढ़ाती हुई।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रेवल एजवाइजरी

वाशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना वायरस संकट के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों को भारत की यात्रा न करने और जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है। उसने कहा कि ऐसा करना सुरक्षित है क्योंकि भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच सभी तरह की चिकित्सीय देखभाल के संसाधन सीमित हो गए हैं। अमेरिका ने भारत पर चौथे चरण का यात्रा परामर्श जारी किया है जो विदेश विभाग द्वारा जारी किए जाने वाला सबसे अधिक स्तर का परामर्श होता है। परामर्श में अमेरिकी नागरिकों से भारत की यात्रा न करने या जल्द से जल्द वहां से निकलने के लिए कहा गया है क्योंकि देश में मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति के कारण ऐसा करना सुरक्षित है।

विदेश विभाग ने ट्वीट किया, भारत में कोविड-19 के मामलों के कारण चिकित्सीय देखभाल के संसाधन बेहद सीमित हैं। भारत छोड़ने की इच्छा रखने वाले अमेरिकी नागरिकों को अभी उपलब्ध वाणिज्यिक विकल्पों का इस्तेमाल करना चाहिए। अमेरिका के लिए रोज चलने वाली उड़ानें और पेरिस तथा फ्रैंकफर्ट से होकर आने वाली उड़ानें उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य अलर्ट जारी करते हुए नई दिल्ली में स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा, भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण सभी तरह की चिकित्सीय देखभाल बेहद सीमित हो रही है। उसने अमेरिकी नागरिकों से यात्रा पाबंदियों पर ताजा जानकारी के लिए भारत के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर जाने के लिए कहा है।

दूतावास ने एक बयान में कहा, भारत में कोविड-19 के नए मामले और मौत की संख्या रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है। कई स्थानों पर कोविड-19 जांच का बुनियादी ढांचा बाधित हो गया है। इसमें कहा गया है, अस्पतालों में कोविड-19 और गैर कोविड-19 मरीजों के लिए चिकित्सा सामान, ऑक्सीजन और बिस्तरों की कमी हो गई है। कुछ शहरों में जगह न होने के कारण अमेरिकी नागरिकों को अस्पतालों में भर्ती करने से इनकार करने की खबरें हैं। कुछ राज्यों में कर्फ्यू और अन्य पाबंदियां हैं जिससे गैर आवश्यक कारोबारों का संचालन रुक गया है और आवाजाही सीमित हो गई है।

पाकिस्तान में कोरोना का कहर, एक दिन में रिकॉर्ड मौतें

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। भारत को मदद का ऑफर देने वाले पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बुधवार को पाकिस्तान में कोरोना से 200 से अधिक मौतें दर्ज की गईं जो महामारी शुरू होने के बाद एक दिन में सबसे अधिक संख्या है। जिसके बाद से इमरान खान सरकार की चिंता बढ़ गई है। कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान सरकार ने भारत को कोरोना के खिलाफ जंग के लिए वेंटिलेटर और एक्सरे मशीन समेत कई मेडिकल इक्यूपमेंट्स से सहायता करने की पेशकश की थी।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक गत 24 घंटे में 201 लोगों की मौत कोविड-19 की वजह से हुई जिन्हें मिलकार अबतक 17,530 लोगों की इस महामारी से जान जा चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि 5,214 मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। पाकिस्तान में गत 24 घंटे में 5,292 नए मामले आए हैं जिन्हें मिलाकर अबतक कुल 8,10,231 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है।

आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 23 अप्रैल को पाकिस्तान में सबसे अधिक 157 लोगों की मौत एक दिन में संक्रमण की वजह से हुई थी जबकि पिछले साल 20 जून को 153 लोगों ने महामारी में जान गंवाई थी। हालांकि, नया रिकॉर्ड एक हफ्ते में बना है जो महामारी की विभिषिका को इंगित करता है। पाकिस्तान में इस समय 88,207 उपचाराधीन मरीज हैं जबकि 7,04,494 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

अमेरिका में अमीरों से दोगुने टैक्स की वसूली

न्यूयार्क, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूल कर बच्चों की शिक्षा और गरीब-मध्यमवर्ग परिवारों पर खर्च करने जा रहे हैं। बाइडन ने बाल विकास और शिक्षा के लिए 130 लाख करोड़ रुपए के नए प्लान की घोषणा की है। इस रकम की पूर्ति अमीर अमेरिकी नागरिकों से टैक्स वसूल कर की जाएगी। इसे अमेरिकन फैमिली एड प्लान नाम दिया गया है। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र में दिए अपने पहले संबोधन में इस का खुलासा किया। इससे एक दिन पहले बाइडन ने सालाना 75 लाख रुपए के ऊपर आय वालों पर लगने वाला टैक्स 20त्न से बढ़ाकर 39.6 फीसदी करने की घोषणा की थी। बाइडन की तैयारी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 165 लाख करोड़ रुपए और कोरोना सहायता फंड के तौर पर 142.5 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की भी है। लेकिन ये दोनों प्रस्ताव फिलहाल लंबित हैं। व्हाइट हाउस की वरिष्ठ सलाहकार अनीता डन ने एक लिखित बयान में कहा-राष्ट्रपति बाइडन मानते हैं कि अमेरिकी कर व्यवस्था टूट चुकी है क्योंकि यहां हेज फंड मैनेजर हजारों करोड़ रुपए की कमाई करता है और इसके बावजूद वो अपने घर में काम करने वाले कर्मचारियों से भी कम टैक्स देता है। इस व्यवस्था को सुधारने के लिए ही बाइडन ये कदम उठा रहे हैं, ताकि नई कर व्यवस्था में जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को पर्याप्त सरकारी अनुदान मिल सके, जिसमें उच्च मध्यमवर्गीय परिवार भी लाभान्वित हों और कर का भार अमीर लोगों पर पड़े।

कांग्रेस में ये प्रस्ताव आसानी से पारित हो जाएगा, इसकी गारंटी नहीं है। वजह यह है कि कांग्रेस सीनेट में बाइडन की डेमोक्रेटिक पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। हालांकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, जो सीनेट की अध्यक्ष भी हैं, का वोट वीटो बन सकता है। गौरतलब है कि बाइडन ने राष्ट्रपति बनने के 100 दिन पूरे होने के पहले ही इतना बड़ा फैसला लिया है।

अपोलो-11 के पायलट माइकल कॉलिंस का निधन

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अपोलो-11 मिशन को चांद पर सफलतापूर्वक उतारने वाले अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री माइकल कॉलिंस का 28 अप्रैल 2021 को निधन हो गया। माइकल कॉलिंस की उम्र 90 साल थी और पूरी दुनिया उन्हें अपोलो-11 मिशन के लिए ही जानती थी। बता दें कि अपोलो-11 मिशन के चांद पर उतरने के बाद ही नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने चांद की सतह पर पहला कदम रखा था और इसके बाद बज एल्ड्रिन उतरे थे। बता दें कि माइकल कॉलिंस का एकमात्र उद्देश्य यही था कि सफलतापूर्वक अपोलो-11 को चांद की सतह पर उतारें और इसके बाद नील और बज को लेकर वापस धरती पर आ सकें। अपोलो-11 से निकलकर चांद तक जिस मॉड्यूल में नील और बज गए थे, उसका नाम द ईगल था। बता दें कि तीनों के लिए चांद की यात्रा आसान नहीं थी। यात्रा शुरू होते ही धरती से रेडियो संपर्क टूट गया, इसके बाद कंप्यूटर में ग्लिच आ गया और द ईगल में ईंधन की कमी भी हो गई। इस मिशन को पूरा करने के लिए 40 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी मेहनत और समय का योगदान दिया था। माइकल कॉलिंस के निधन पर नासा एक्टिंग एडमिनिस्ट्रेटर स्टीव जुरासिक ने कहा कि आज दुनिया ने एक सच्चा अंतरिक्ष यात्री खो दिया। एक तरफ जहां इनके दोनों साथी चांद पर चहलकदमी कर रहे थे तो वहीं माइकल कॉलिंस यान के साथ चांद का चक्कर लगा रहे थे। स्टीव का कहना है कि माइकल कॉलिंस की वजह से ही नील और बज सुरक्षित धरती पर वापस आए थे। माइकल कॉलिंस के पोते का बयान आया कि उनके दादाजी ने बहादुरी से कैंसर के खिलाफ जंग लड़ी लेकिन अंत में हार गए।

बाइडेन के कार्यकाल के 100 दिन पूरे

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को कांग्रेस को अपना पहला संयुक्त संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हमारा देश एक बार फिर से टेकऑफ करने को तैयार है। हमने जो वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाया, वो देश के इतिहास की सबसे बड़ी अचीवमेंट है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से उन्नति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम फिर से काम कर रहे हैं, सपने देख रहे हैं और नई चीजें तलाश रहे हैं। अमेरिका एक बार फिर से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। हमने एक-दूसरे और दुनिया को दिखाया है कि अमेरिका में हार मानने का कोई विकल्प नहीं है। बाइडेन ने अर्थव्यवस्था पर कहा कि इकोनॉमी को पटरी पर लाने के लिए हमें और कोशिशें करनी होंगी। मुझे पूरा भरोसा है कि हम बेहतर तरीके से वापसी करेंगे। अमेरिका के लोगों से कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील करते हुए कहा कि जाइए! वैक्सीनेशन कराइए, हमारे पास वैक्सीन की कोई कमी नहीं है।

बाइडेन ने कहा कि अमेरिका इंडो-पेसिफिक रीजन में सेना की मजबूत मौजूदगी बनाए रखेगा। यह संघर्ष शुरू करने के लिए नहीं है बल्कि दूसरे देशों को ऐसा करने से रोकने के लिए है। मैंने चीन के राष्ट्रपति शी चिनपिंग से कहा था कि अमेरिका प्रतिस्पर्धा का स्वागत करता है, लेकिन टकराव नहीं चाहता। अमेरिका में प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने बाइडेन को न्यौता भेजा था। बाइडेन ने कांग्रेस में किसी संयुक्त सत्र को पहली बार संबोधित किया है। पेलोसी ने बाइडेन को लिखे पत्र में कहा था कि करीब 100 दिन पहले जब आपने राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली थी, तब आपने बहुत आशा भरी भावना से संकल्प लिया था कि मदद आने वाली है। अब आपके ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी नेतृत्व के कारण मदद यहां पहुंच गई है।

मॉरिशस ने भेजे 200 ऑक्सिजन कंसंट्रेटर्स

पोर्ट लुईस, (एजेंसी)। कोरोना संकट से जूझ रहे भारत की मदद करने के लिए दुनियाभर के कई देशों ने हाथ बढ़ाया है। लेकिन, इन सबके बीच एक देश ऐसा भी है, जिसने अपनी दरियादिली से कई महाशक्तिशाली देशों को आईना दिखाने का काम किया है। भारत ने भी कई बार इस देश को आर्थिक और सामान देकर मदद की है। हाल में ही विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस देश में भारत की मदद से बने मेट्रो सर्विस का उद्घाटन किया था। मॉरीशस ने संकट के समय भारत को 200 ऑक्सिजन कंसंट्रेटर्स उपहार स्वरूप भेजे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी इस बहुमूल्य उपहार के लिए मॉरीशस की सरकार को धन्यवाद भेजा है।

अंतरिक्ष में चीन ने लॉन्च किया खुद का स्पेस स्टेशन

पेइचिंग, (एजेंसी)। चीन ने अंतरिक्ष में अमेरिका को टक्कर देने के लिए गुरुवार को खुद का स्पेस स्टेशन के पहले कोर कैप्सूल मॉड्यूल को लॉन्च किया है। आने वाले दिनों में ऐसी ही कई लॉन्चिंग के जरिए स्पेस स्टेशन के बाकी हिस्सों को भी अंतरिक्ष में पहुंचा दिया जाएगा। चीन की योजना इस साल के अंत से अपने पहले स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन को शुरू करने की है। अभी तक केवल रूस और अमेरिका ने ही ऐसा कारनामा किया है।

हालांकि, इस समय केवल अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ही सक्रिय है। चीन ने वेन्चांग स्पेस लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च-5 बी रॉकेट के जरिए स्पेस स्टेशन के कोर कैप्सूल को अंतरिक्ष में लॉन्च किया। यह लॉन्ग मार्च-5बी की दूसरी उड़ान थी। चाइना एकेडमी ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी (सीएएसटी) में अंतरिक्ष के उप मुख्य डिजाइनर बाई लिन्होउ ने कहा कि तियांहे मॉड्यूल अंतरिक्ष केंद्र तियानगोंग के प्रबंधन एवं नियंत्रण केंद्र के रूप में काम करेगा और इसमें एक साथ तीन अंतरिक्ष यान खड़ा करने की व्यवस्था है।

चीनी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि यह स्पेस स्टेशन इस साल के अंत से काम करना शुरू कर देगा। इसकी जीवन अवधि 15 साल आंकी गई है। चीनी कोर कैप्सूल की लंबाई 4.2 मीटर और डायामीटर 16.6 मीटर है। इसी जगह से पूरे अंतरिक्ष स्टेशन का संचालन किया जाएगा।

अंतरिक्ष यात्री इसी जगह पर रहते हुए पूरे स्पेस स्टेशन को कंट्रोल कर सकेंगे। इस मॉड्यूल में साइंटिफिक एक्सपेरिमेंट करने की भी जगह होगी। इस कैप्सूल में कनेक्टिंग सेक्शन के तीन हिस्से होंगे, जिसमें एक एक लाइफ-सपोर्ट, दूसरा कंट्रोल सेक्शन और तीसरा रिसोर्स सेक्शन होगा।

पेरु में पुलिसकर्मियों ने लोगों के अस्थायी घर तोड़ दिये। ये लोग कोरोना महामारी के बाद से ही बिना किराया दिये इन घरों में रह रहे थे।

भूटान ने 93 फीसदी लोगों का किया टीकाकरण

थिंपू, (एजेंसी)। भारत जब कोरोना के भीषण कहर से जूझ रहा है, उस समय तक पड़ोसी देश भूटान अपने 93 फीसदी लोगों का वैक्सीनेट कर चुका है। इस छोटे से पहाड़ी राज्य की इस सफलता पर दुनिया के सभी देश हैरान है। भूटान के कई इलाके तो ऐसे हैं जहां जाने के लिए सड़क भी उपलब्ध नहीं है। बफीर्ली नदियों और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों से घिरे इस देश ने भारत से मुफ्त में मिली वैक्सीन से सफलता की नई कहानी लिख दी है। भारत के सीरम इंस्टीट्यूट में बनी ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की शीशियां पिछले महीने हेलीकॉप्टर से इस देश में पहुंची थी। जिसके बाद इस पहाड़ी देश ने वैक्सीनेशन ड्राइव शुरू करने के लिए पूरे देश के स्वास्थ्यकर्मियों को तैनात किया गया। इन लोगों ने एक गांव से दूसरे गांव तक कभी बर्फ तो कभी नदियों को लांघते हुए वैक्सीनेशन का काम जारी रखा। इसी का नतीजा है कि इस देश में कुल आबादी के 93 फीसदी वयस्कों को अभी तक कोविड वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। दुनिया से कटे और अलग-थलग रहने वाले भूटान के ग्रामीण इलाकों के लोगों को वैक्सीन के लिए मनाने में भी स्वास्थ्यकर्मियों को काफी परेशानी आई। लोकल वॉलंटियर्स और स्वास्थ्यकर्मियों ने इलाके के मुखिया को साथ लेकर लोगों को समझाया कि वैक्सीन लेने से कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा और यह स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने के लिए काफी जरूरी है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के एक डेटाबेस के अनुसार, शनिवार तक भूटान में प्रति 100 लोगों में से 63 लोगों को वैक्सीन दी जा चुकी थी। कोविड टीकाकरण की यह दर दुनिया में छठवें स्थान पर है। मतलब साफ है कि दुनिया में केवल 5 देश ही ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी आबादी को भूटान से ज्यादा वैक्सीनेट किया हुआ है। भूटान का यह दर भारत से सात गुना और वैश्विक औसत से छह गुना ज्यादा है।

ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की प्रक्रिया में तेजी लानी होगी : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली में कोरोना संक्रमण को रोकने और अधिक से अधिक ऑक्सीजन बेड बढ़ाने को लेकर बेहद गंभीरता के साथ काम कर रहे हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में दिल्ली में अधिक से अधिक ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की योजना पर विचार-विमर्श किया गया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने अधिकारियों ने आने वाले दिनों में अतिरिक्त ऑक्सीजन बेड बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने होम आइसोलेशन प्रणाली को और अधिक मजबूत करने के भी निर्देश दिए। सीएम ने दिल्ली के निवासियों से कोरोना के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली वासियों की कीमती जिंदगी बचाने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि होम आइसोलेशन से ठीक होने वाले सभी मरीजों को दिल्ली सरकार के डॉक्टर ऑक्सीमीटर दें और नियमित कॉल करें। केजरीवाल दिल्ली में कोरोना की गंभीर स्थिति से निपटने को लेकर काफी गंभीर हैं और कोविड प्रबंधन पर खुद नजर बनाए हुए हैं। दिल्ली में बढ़ने कोविड मरीजों के चलते अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड की कमी का सामना करना पड़ा है। लिहाजा, मुख्यमंत्री दिल्ली वासियों को आसानी से ऑक्सीजन बेड मुहैया कराने के उद्देश्य से अधिक से अधिक ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर बल दे रहे हैं।

सीएम केजरीवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर दिल्ली में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की योजना पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान होम आइसोलेशन प्रणाली को और अधिक मजबूत करने को लेकर भी चर्चा की गई, ताकि हल्के या कम लक्षण वाले मरीजों का होम आइसोलेशन में बेहतर इलाज हो सके। सीएम केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, कोरोना को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें आने वाले दिनों में दिल्ली में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने और होम आइसोलेशन प्रणाली को मजबूत करने की योजना पर चर्चा की। कृपया सभी लोग सावधानी बरतें और सुरक्षित रहें। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि दिल्ली में ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर तेजी के साथ काम किया जा रहा है। कई स्थानों पर अतिरिक्त ऑक्सीजन बेड बढ़ाने पर काम चल रहा है। इस पर कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि अगले कुछ दिनों में अतिरिक्त ऑक्सीजन बेड तैयार हो जाएंगे। जिसके बाद कोविड के गंभीर मरीजों को काफी सहूलियत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि सीएम केजरीवाल ने कहा था कि कोरोना की यह लहर ज्यादा खतरनाक है। कोरोना का संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है और जो लोग बीमार हो रहे हैं, वे ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। इसलिए इस वक्त सबसे ज्यादा आईसीयू बेड की मांग है। सीएम ने बताया कि जीटीबी अस्पताल के पास रामलीला ग्राउंड पर 500 आईसीयू तैयार किए जा रहे हैं। एलएनजेपी अस्पताल के सामने जो मुख्य रामलीला मैदान है, वहां पर भी 500 आईसीयू बेड तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा, राधा स्वामी सत्संग ब्यास में भी 200 आईसीयू बेड तैयार हो रहे हैं। यह 1200 आईसीयू बेड गंभीर मरीजों की देखभाल के लिए 10 मई तक बनकर तैयार हो जाएंगे। मुझे उम्मीद है कि इससे कोविड मरीजों को बहुत राहत मिलेगी।

भाजपा की एमसीडी अपने कर्मचारियों को कोरोना महामारी में भी तनख्वाह नहीं दे रही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि एमसीडी की सत्ता में काबिज भाजपा कोरोना की इस जानलेवा महामारी में भी अपने कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दे रही है। भाजपा की एमसीडी अपने कर्मचारियों को वेतन देने के नाम पर हमेशा ही बहाने बनाती रही है। लेकिन इस पूरे कोविड काल में वह लोग जो हमारी रक्षा कर रहे हैं, जो अपने परिवार के बारे में बिना सोचे हमारे लिए अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं, फिर चाहे वो सफाई कर्मचारी हों, डॉक्टर हों, नर्स हों, टीचर हों, मूलभूत सुविधाएं तो छोड़िए, दिल्ली भाजपा उन्हें हक का वेतन तक देने को तैयार नहीं है। उनका घर चलना मुश्किल हो गया है, जिसके लिए सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ज़िम्मेदार है। भाजपा के अंदर मानवता पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। ये भाजपा की एमसीडी का कैसा अन्याय है आम आदमी पार्टी ने एमसीडी से सभी कर्मचारियों कि तनख्वाह जल्द से जल्द जारी करने की मांग की है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा यह न भूले कि जो जाने आज बच पा रही हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान एमसीडी के कर्मचारियों का है। भाजपा उनके साथ ऐसा अन्याय न करे। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश में कोरोना तेजी से लोगों की जान ले रहा है। आप लोग अस्पतालों और कोविड सेंटरों में लगातार भीड़ देख रहे होंगे। लोग टेस्ट कराने के लिए परेशान हैं, हर जगह भीड़ है। दूसरी ओर दिल्ली के सफाई कर्मचारी हैं जो दिल्ली की जनता की सेवा में दिन-रात लगे हुए हैं। भाजपा की एमसीडी के ये कर्मचारी अपने परिवार को छोड़ कर दिल्ली की जनता की सुरक्षा के लिए सुबह अपने घरों से बाहर निकलते हैं। वे अपनी जान की परवाह किए बिना काम करते हैं जिससे उन्हें दो वक्त की रोटी नसीब हो सके, उनका घर चल सके। लेकिन इस महामारी में इन कर्मचारियों का बुरा हाल हो गया है। उनका घर चलना मुश्किल हो गया है, जिसके लिए सिर्फ और सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ज़िम्मेदार है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि दिल्ली में चाहे सैनिटाइजेशन की बात हो या साफ सफाई, यह सभी काम दिल्ली के सफाई कर्मचारी करते हैं। यह सफाई कर्मचारी एमसीडी के अंदर आते हैं जिसपर भारतीय जनता पार्टी पिछले 15 सालों से काबिज है।

वहीं एमसीडी के अस्पतालों में उपलब्ध डॉक्टर और नर्स भी दिन-रात कोविड के मरीजों के इलाज में लगे रहते हैं। यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की एमसीडी अपने कर्मचारियों को ऐसी भयानक महामारी में भी तनख्वाह नहीं दे रही है। ये भाजपा की एमसीडी का कैसा अन्याय है दुर्गेश पाठक ने कहा, भाजपा की एमसीडी अपने कर्मचारियों को वेतन देने के नाम पर हमेशा ही बहाने बनाती रही है। लेकिन इस पूरे कोविड काल में वह लोग जो हमारी रक्षा कर रहे हैं, जो अपने परिवार के बारे में बिना सोचे हमारे लिए अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं, फिर चाहे वो सफाई कर्मचारी हों, डॉक्टर हों, नर्स हों, टीचर हों, मूलभूत सुविधाएं तो छोड़िए, दिल्ली भाजपा उन्हें हक का वेतन तक देने को तैयार नहीं है। भाजपा के अंदर मानवता पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। कोरोना वॉरियर कहीं न कहीं सरकार के ऊपर निर्भर होते हैं, सरकार से उनकी बड़ी अपेक्षाएं होती हैं। उनके कारण आज जो जाने बच पा रही हैं, मैं तो कहूंगा कि सबसे बड़ा योगदान उन्हीं का है। ऐसे समय में उन्हें वेतन न देना महापाप है और ये महापाप भाजपा की एमसीडी कर रही है। दुर्गेश पाठक ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा, जेब में पैसा नहीं होने का रोना रोने वाले दिल्ली भाजपा के नेताओं ने अपने 15 सालों के कार्यकाल में एमसीडी को बर्बाद कर दिया है। और कल हाईकोर्ट ने भी भाजपा की एमसीडी को फटकार लगाई और कहा कि एमसीडी सभी कर्मचारियों को जल्द से जल्द वेतन जारी करे। मैं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का ध्यान केंद्रित करते हुए कहना चाहता हूं कि भाजपा यह न भूले कि जो जाने आज बच पा रही हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान एमसीडी के कर्मचारियों का है। भाजपा उनके साथ ऐसा अन्याय न करे। आम आदमी पार्टी यह मांग करती है कि एमसीडी जल्द से जल्द सभी कर्मचारियों को तनख्वाह दे। अब एमसीडी में भाजपा के केवल 8-10 महीनों का कार्यकाल ही बाकी है। दिल्ली की जनता को तो बहुत परेशान किया है कम से कम इस बचे हुए वक्त में कर्मचारियों को परेशान न करें।

कोरोना के सामने खून के रिश्ते पड़े छोटे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना काल में खून के रिश्ते छोटे पड़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में कोरोना से होने वाली मौतों के चलते लोग अपने परिजनों के शवों को सड़कों, अस्पतालों और श्मशान में बिना अंतिम क्रिया के छोड़ कर जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की अंतिम क्रिया के लिए अपने उपलब्ध न हो पाने पर पुलिस और अन्य लोग मदद के लिए आ रहे हैं। पिछले कई दिनों से दिल्ली में लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें पुलिस और एनजीओ में कार्यरत लोगों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं। कड़कड़डूमा के डॉ. हेडगेवार आरोग्य अस्पताल से 23 अप्रैल को गोविंदपुरी थाना पुलिस को सूचना दी गई कि उनके यहां भर्ती 62 वर्ष के अशोक कुमार की मौत हो गई है। उन्हें किसी ने बेहोशी हालत में भर्ती किया था, लेकिन अब उनके साथ कोई नहीं है। उनके परिजन तुगलकाबाद में रहते हैं, जो उन्होंने भर्ती के समय पता लिखाया था। पुलिस टीम अस्पताल द्वारा दिए पते पर गई, लेकिन वहां कोई नहीं था। जांच में सामने आया कि अशोक को उनकी बेटी ने भर्ती किया था और उसने पता गलत लिखाया था। पुलिस उनकी बेटी को नहीं ढूंढ पाई। पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक एक सुरक्षाकर्मी था। घर वालों का पता नहीं लगने पर पुलिस ने सराए काले खां स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया। रविवार को एक परिवार कोरोना से मौत होने के बाद अपने एक रिश्तेदार को लेकर पुरानी सीमापुरी स्थित श्मशान घाट पहुंचे थे। जहां भीड़ और शवों की लाइन देखकर यह परिवार अपने साथ लाए शव को सड़क पर छोड़ कर भाग गए। शाम करीब 4 बजे लोगों ने शव को देखा। कई घंटे तक परिजनों का इंतजार करने के बाद शव को पड़े देखकर, वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को फोन कर मामले की जानकारी दी। जिसके बाद मामले में पुलिस के आने के बाद शव कब्जे में लिया गया। एक 35 साल की महिला की तबीयत खराब होने के बाद उसके परिजनों ने उसे पंडित मदन मोहन मालवीय अस्पताल में भर्ती किया। महिला के लक्षण कोरोना के थे। ऐसे में परिजनों ने उसे छोड़कर गलत पता बताया और अस्पताल से चले गए। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने जब उसके परिजनों ने सम्पर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन बंद कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि परिजनों ने अपना गलत पता दिया था। पुलिस ने परिजनों को तलाशा लेकिन वहां नहीं मिले। जिसके बाद महिला के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के बिजवासन इलाके में एक ट्रांसफॉर्मर में लगी आग नजदीक की दो झुग्गियों में फैल गई, जिससे गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से गुरुवार तड़के एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में से चार नाबालिग हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें वाल्मिकी कॉलोनी में एक ट्रांसफार्मर में आग लगने के बारे में देर रात साढ़े 12 बजे सूचना मिली जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। बाद में पुलिस को वाल्मीकि कॉलोनी में सिलेंडर विस्फोट की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में आग लग गई और उसकी लपटें तेजी से पास में स्थित दो झुग्गियों तक फैल गई जिससे एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिलेंडर विस्फोट में कमलेश (37), उसकी पत्नी बुधानी (32), उनकी 16 और 12 साल की दो बेटियों तथा छह और तीन साल के दो बेटों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दमकल अधिकारियों के साथ मिलकर पुलिस कर्मियों ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

एक घंटे में बीमा कंपनियां मंजूर करें कोरोना मरीजों के बिल : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए बीमा कंपनियों को कोविड-19 मरीजों के बिल 30 से 60 मिनट में पास करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस समय बीमा कंपनियां बिल को मंजूरी देने के लिए 6 से 7 घंटों का समय नहीं ले सकतीं हैं क्योंकि इससे मरीजों को डिस्चार्ज करने में देरी हो रही है और ऐसे में बैड की जरूरत वाले लोगों को काफी इंतजार करना पड़ता है।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अदालत को किसी बीमा कंपनी या थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए) द्वारा इंश्योरेंस क्लेम के बिल क्लियर करने के लिए 6 से 7 घंटे का समय लगने की जानकारी मिलती है तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों या टीपीए को अस्पतालों से अनुरोध प्राप्त होने के बाद बिलों को मंजूरी देने में 30 से 60 मिनट से अधिक का समय नहीं लगाना चाहिए।

इसके अलावा अदालत ने अस्पताल प्रबंधकों को भी निर्देश दिया है कि वह मरीज के डिस्चार्ज होने को लेकर इंतजार किए बिना ही नए मरीजों की भर्ती प्रक्रिया को जारी रखे, जिससे मरीज के बैड खाली करते ही बिना देरी से दूसरे मरीज को बैड मिल सके। बता दें कि अस्पतालों में मरीजों को डिस्चार्ज में देरी होने से जरूरतमंद मरीजों को भर्ती करने में देरी होती है और इससे मरीज काफी परेशान भी होते हैं। राजधानी में लगातार कोरोना वायरस के मामले बढ़ते जा रहे है। ऐसे में अस्पतालों में बैड मिलने में परेशानी हो रही है।

दिल्ली चार सालों में अप्रैल महीने का सबसे गर्म दिन रहा 28 अप्रैल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बीते दिनों दिल्ली वालों को अप्रैल के महीने से गर्मी से राहत मिली थी, लेकिन अब मौसम ने करवट ली है। जिसके तहत बुधवार चार सालों में अप्रैल महीने का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया है। इसके साथ ही बुधवार का दिन अब तक इस सीजन का सबसे गर्म दिन भी रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान बुधवार को 42.2 डिग्री पर दर्ज किया गया है। जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक रहा है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष 2017 के बाद बुधवार को अप्रैल महीने में किसी वर्ष के किसी भी दिन में अधिक तापमान 42.2 डिग्री तक नहीं पहुंचा है। इससे पहले 21 अप्रैल 2017 को अधिकमतम तापमान 43.2 डिग्री पर दर्ज किया गया था। राजधानी दिल्ली में इस बार मौसम का उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक तरफ जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार रहा है, तो वहीं दूसरी और अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री की गिरावट के साथ 33 डिग्री के पास पहुंचा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम ने करवट ली थी। इस वजह से अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई थी, लेकिन यह सीमित थी। इस महीने गर्म दिनों की संख्या अधिक रही है। जिसके तहत अप्रैल महीने में अभी तक 7 दिन पारा 40 के पार दर्ज किया गया है। जो सामान्य से अधिक है। दिल्ली वालों को फिलहाल अप्रैल महीने बचे हुए दिनों में गर्मी से कोई राहत मिलती हुई नहीं दिख रही है, लेकिन मई के महीने मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक अप्रैल के बचे हुए दिनों में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज हो सकता है, लेकिन 1 मई शनिवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से पारा गिरेगा। जिसके तहत सोमवार तक अधिक तापमान 37 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। जो सामन्य से 3 डिग्री कम होगा।

ऑक्सीजन रेमडेसिवीर की कालाबाजारी की जानकारी बताने वालों को मिलेगा 25 हजार रुपए इनाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमण की सुनामी के बीच कई लोग दवाओं, ऑक्सीजन जैसी जीवनरक्षक चीजों की कालाबाजारी में जुटे हैं।

पंजाब के जालंधर में ऐसे लोगों पर नकेल कसने के लिए प्रशासन ने स्टिंग या पुख्ता जानकारी देने वालों के नकद इनाम देने की घोषणा है। जालंधर के डीसी के आदेश के मुताबिक, कोरोना टेस्ट से इलाज तक में गड़बड़ी करने वाले लोगों की ऐसी जानकारी या स्टिंग करने पर 25 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा, जिसके आधार पर एफआईआर रजिस्टर हो। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि ऑक्सीजन सिलेंडर, रेमडेसिवीर, टोसिलिजूमैप की कालाबाजारी, आरटीपीसीआर टेस्ट की अधिक कीमत या कोविड प्रबंधन से जुड़े किसी गतिविधि में गड़बड़ी को लेकर यदि कोई स्टिंग ऑपरेशन करता है या पुख्ता जानकारी देता है, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज हो तो जिला प्रशासन की ओर से 25 हजार रुपए इनाम दिया जाएगा।

गौरतलब है कि देश में गुरुवार को 3.80 लाख लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। देश में पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन 3 लाख से अधिक लोग संक्रमित पाए जा रहे हैं। एक्टिव मरीजों की संख्या 29 लाख पहुंच चुकी है। इस बीच देश के कई हिस्सों में लोग ऑक्सीजन, रेमडेसिवीर इंजेक्शन जैसी जरूरी चीजों की कालाबाजारी की शिकायत कर रहे हैं। हर दिन कालाबाजारी करने वाले गिरोह पकड़े जा रहे हैं।

दिल्ली के हजारों श्रमिकों को बड़ी राहत

नई दिल्ली । राजधानी में दिल्ली सरकार ने कोरोना के दौरान निर्माण श्रमिकों की सहायता के लिए एक और राहत भरा कदम उठाया है। दिल्ली सरकार के श्रम विभाग ने घोषणा की है कि इस महामारी में कोरोना पॉजिटिव हुए पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवार वालों को चिकित्सकीय सहायता के रूप में 5 हजार से 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

निर्माण श्रमिकों के ऋ्ञ-क्ष्टक्र रिपोर्ट की आईसीएमआर के पोर्टल पर जांच कर सहायता राशि को सीधे उनके खातों में भेजा जाएगा। ये सहायता राशि कोरोना काल के दौरान श्रमिकों के वित्तीय संकट को कम करने में मदद करेगी। दिल्ली सरकार द्वारा प्रवासी, दिहाड़ी और निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की अन्य ज़रूरतों के पूरा करने के लिए दिल्ली के सभी जिलों में कई स्कूलों और कंस्ट्रक्शन साइट्स पर 150 से अधिक फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर भी शुरू कर दिए है। इन केंद्रों के माध्यम से अबतक लगभग 83 हज़ार फ़ूड पैकेट बांटे जा चुके है।

दिल्ली सरकार ने कोरोना के आंकड़ों में किया संशोधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में कोरोना वायरस के आंकड़ों में गुरुवार सुबह संशोधन करते हुए संक्रमण के मामलों में 44,350 की और मृतकों की संख्या में 761 की वृद्धि की है। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली सरकार ने संक्रमण के मामले 10,98,051 और मृतकों की संख्या 15,377 बताई। बुधवार रात को जारी आंकड़ों में संक्रमण के मामले 10,53,701 बताए गए और मृतकों की संख्या 14,616 बताई गई थी। स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 6.20 प्रतिशत से बढ़कर 6.46 प्रतिशत हुई है। स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 9,39,333 से बढ़कर 9,82,922 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दिल्ली में कोविड-19 से 368 लोगों की मौत हुई और संक्रमण के 25,986 नए मामले आए। साथ ही स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 31.76 प्रतिशत रही। यह लगातार सातवां दिन है जब दिल्ली में कोरोना वायरस महामारी के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हुई है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को 381 लोगों की मौत हुई जो एक साल पहले यह महामारी फैलने के बाद से मृतकों की सबसे अधिक संख्या है। सोमवार को 380, रविवार को 350, शनिवार को 357, शुक्रवार को 348 और गुरुवार को 306 लोगों ने जान गंवाई थी। राजधानी में मंगलवार को संक्रमण के 24,149, सोमवार को 20,201, रविवार को 22,933, शनिवार को 24,103, शुक्रवार को 24,331, गुरुवार को 26,169 और बुधवार को 24,638 मामले आए। स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर मंगलवार को 32.72 प्रतिशत, सोमवार को 35.02 प्रतिशत, रविवार को 30.21 प्रतिशत, शनिवार को 32.27 प्रतिशत, शुक्रवार को 32.43 प्रतिशत, गुरुवार को 36.24 प्रतिशत, बुधवार को 31.28 प्रतिशत और मंगलवार को 32.82 प्रतिशत रही।

आप सरकार ने हाईकोर्ट में कहा, केंद्र की भी कुछ जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट राजधानी में कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर ऑक्सीजन सप्लाई सहित विभिन्न मुद्दों से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट को बताया कि दिल्ली सरकार को उस समय डॉक पर रखा गया है, जब केंद्र बुरी तरह से विफल हो गया है। केंद्र सरकार की भी कुछ जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, कागजों में सब कुछ पूरी तरह ठीक है और हमें दिल्ली के नागरिकों के प्रति पूरी तरह से सहानुभूति है। वकील राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट से दिल्ली को एक हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराने का निर्देश देने का आग्रह किया। दिल्ली सरकार के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि 8 पीएसए प्लांट्स में से 2 पहले से ही चालू हैं और 2 अन्य 30 अप्रैल तक चालू होने हैं। दिल्ली सरकार द्वारा बाकी सभी अनुमतियां दी गईं, लेकिन कुछ अधिकारियों ने इसमें अड़ंगा अटकाया और कहा कि उन्हें केंद्र शासित सरकार से एक बार फिर कुछ बदलाव और अप्रूवल की आवश्यकता है। वहीं, एमिकस क्यूरी ने महाराष्ट्र के आंकड़े साझा किए जिसे 1500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की मांग के बदले लगभग 1616 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से अलग क्यों है दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि हमें कई कॉल आ रही हैं, यहां तक कि आप (सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता) को भी लोगों से बेड दिलाने के अनुरोध वाली कॉल आ रही हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार से इस मुद्दे को जल्द हल करने के लिए कहते कहा कि दिल्ली में लोग पीड़ित हैं और कई लोग ऑक्सीजन की कमी के कारण जान गंवा चुके हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली कोरोना मोबाइल ऐप में अस्पतालों में बेड्स के श्रेणीकरण, हेल्पलाइन नंबर बनाने, जांच में देरी और आरटी-पीसीआर जांच किट की कमी को लेकर बुधवार को कई निर्देश जारी किए थे। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने अस्पतालों में बेड्स की अनुपलब्धता और कोविड मरीजों के इलाज में काम आने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार से कहा कि वह अपनी कोरोना मोबाइल ऐप में संशोधन करने पर विचार करे और ऐप में यह जानकारी दी जाए कि कौन से बेड ऑक्सीजन से लैस हैं और कौन से नहीं हैं। अदालत ने बिना ऑक्सीजन वाले बेड्स की जरूरत पर सवाल करते हुए कहा कि कोविड-19 से संक्रमित मरीज आमतौर पर होम आइसोलेशन में चला जाता है और उसे अस्पताल में तब भर्ती कराना पड़ता है जब उसे ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह एक रिपोर्ट दायर करे जिसमें प्रयोगशालाओं द्वारा जांच में देरी करने और आरटी-पीसीआर किटों की कमी को दूर करने के उपायों के बारे में बताया गया हो। अदालत ने कहा कि वह 29 अप्रैल को कोविड-19 से संबंधित सभी मामलों पर आगे सुनवाई करेगी।

संपादकीय

बना रहे भरोसा

आज पूरा देश कोरोना वायरस के सामने जैसे किंकर्तव्यविमूढ़ खड़ा है। इतने निस्सहाय-निरुपाय हम पहले कभी नहीं थे। साल भर पहले जब इस महामारी ने हमारे देश में दस्तक दी थी, तब हमारे पास कोई तैयारी नहीं थी। इस एक वर्ष में हमने लंबी यात्रा तय की है। देश तरह-तरह के प्रयोगों के दौर से गुजरा है। हमने एक के बाद एक लॉकडाउन देखे हैं, अपने बीमार पिताजी को 1,200 किलोमीटर साइकिल चलाकर बिहार ले जाने वाली किशोरी देखी है। अपने देस-गांव पैदल लौटते लाखों मजदूरों को देखा है, फिर भी हम इतने असहाय नहीं थे। हालांकि, इस बीच हमारे पास हर तरह के किट हैं, वेंटिलेटर हैं, हमारे पास वैक्सीन भी हैं, हमने वैक्सीन अपने पड़ोसियों को भी भेंट में दी है। हम वैक्सीन डिप्लोमेसी में भी अव्वल रहे। 15 करोड़ अपने लोगों को वैक्सीन लग भी चुकी है, फिर भी हम निरुपाय हैं, क्योंकि महामारी की मार इतनी तेज है कि हम कुछ कर नहीं पा रहे हैं।

शायद हम अपनी शुरुआती कामयाबी से कुछ ज्यादा ही फूल के कुप्पा हो गए थे। कोविड के संकट को भूलकर हमारे राजनेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने में जुट गए। कोविड प्रोटोकॉल सिर्फ कुछ ही जिम्मेदार लोगों के अनुपालन की चीज रह गया। नेतागण धड़ल्ले से चुनावों में कूद गए। चुनावी रैलियों में कोविड प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ने लगीं। यहां तक कि कुंभ जैसे, विशाल जनसमुद्र को आमंत्रित करने वाले आयोजन भी बिना खास तैयारी के होने लगे। सरकारों को ही क्यों दोष दें? जनता स्वयं जैसे चादर ताने सो रही थी। वैक्सीन है, लेकिन हम उसे लगवाने में कोताही बरतने लगे थे। शादी-ब्याह, उत्सव-त्यौहार उसी पुराने अंदाज में मनाने लगे थे, इसलिए जब कोरोना के बहुरूपी वायरस ने हमें सुषुप्तावस्था में पाया, तो चौतरफा प्रहार कर दिया। एक साथ बड़ी संख्या में पीड़ित लोग अस्पतालों की तरफ कातर निगाह से देखने लगे। व्यवस्था चरमराने लगी। नियंत्रण कमजोर पड़ने लगा। न हमारे पास पर्याप्त ऑक्सीजन है, न रेम्देसिवियेर इंजेक्शन हैं, हैं भी तो कालाबाजारी करने वालों के पास, जो दूसरे महायुद्ध के दिनों की तरह एक-एक इंजेक्शन 50-50 हजार रुपये तक में बेच रहे हैं। कोरोना टेस्ट तक नहीं हो रहे। हो भी रहे हैं, तो पांच दिन तक रिपोर्ट नहीं आ रही। निजी जांच कंपनियों ने हाथ खड़े कर दिए हैं, जो जांचें हो रही हैं, वे सोलह आना भरोसे लायक नहीं हैं। अब हर रोज तीन लाख तक नए मरीज आ रहे हैं। ढाई-तीन हजार मौतें रोज हो रही हैं। आंकड़े घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां तक आशंका व्यक्त की जा रही है कि अभी इसका चरम बाकी है। चारों तरफ अव्यवस्था का आलम है। लोग अस्पताल जाने से घबरा रहे हैं। ये कैसे समय में जी रहे हैं हम? जाहिर है, ऐसी स्थिति में सर्वोच्च अदालत मूक दर्शक बनी नहीं रह सकती। यदि वह सरकार से आगे का रोडमैप मांग रही है, तो गलत नहीं कर रही। व्यवस्था को कसने के लिए अदालतों को न केवल कड़ाई करनी चाहिए, बल्कि कोरोना के खिलाफ युद्ध को वैचारिक रूप से भी बल देना चाहिए। अभी पूरा ध्यान जमीनी स्तर पर सुविधाओं को बहाल करने पर होना चाहिए। जितनी जल्दी हम सुविधाओं को बहाल करेंगे, उतना ही अच्छा होगा। यह वक्त भरोसे को कायम रखने का है और जब अदालतें दोटूक बात करती हैं, तब लोगों का मनोबल बढ़ता है।

पैट कमिंस को सलाम

क्रिकेट के मैदान पर जलवा दिखाने वाले ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर पैट कमिंस ने अपनी उदारता से दुनियाभर के खेल प्रेमियों का ही नहीं आम आदमी का भी दिल जीत लिया। पैट ने मानवीय सहायता के काम आने वाले पीएम केयर फंड के लिए 50 हजार डॉलर यानी 37 लाख 36 हजार रुपये देने की घोषणा की। इस धनराशि का महद्मव बड़े देशों और बड़े वित्तीय संस्थानों की कितनी भी बड़ी धनराशि से कम मूल्यवान नहीं है। पैट इन दिनों भारत में चल रही आईपीएल प्रतियोगिता में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने सोमवार को अपने ट्वीटर एकाऊंट पर एक मार्मिक आलेख के साथ पीएम केयर फंड के लिए अपने योगदान की जानकारी दी। पैट ने दुनियाभर के विशेषकर भारत के क्रिकेटरों और सेलिब्रिटी के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। देखना है कि भारतीय दर्शकों के जरिये बड़ी धनराशि बटोरने वाली क्रिकेट संस्थाएं और खिलाड़ी पैट के दिखाए रास्ते पर चलते हैं या नहीं। अपने संक्षिप्त आलेख में पैट ने कहा कि 'भारत एक ऐसा देश है जिसे मैं पिछले कई वर्षों से प्यार करने लगा हूं। भारत के लोग मुझे दुनिया में सबसे खुशदिल और दयालु नजर आए।' उन्होंने कहा कि क्रिकेटर के रूप में हमें करोड़ों लोगों तक पहुंचने का सौभाग्य मिलता है। इसे देखते हुए उन्होंने फैसला किया है कि अस्पतालों में ऑक्सीजन की खरीद के लिए पीएम केयर फंड में योगदान कर रहे हैं। उन्होंने आईपीएल के अन्य खिलाड़ियों से भी ऐसा ही करने का अनुरोध किया। पैट ने कहा कि वह 50 हजार डॉलर के योगदान के जरिये इस अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह यह जानते हैं कि उनका आर्थिक योगदान इस विशेष संकट के लिहाज से मामूली हैग लेकिन उन्हें आशा है कि इस धनराशि से किसी-न-किसी व्यक्ति के जीवन में बदलाव आएगा। पैट ने कोरोना महामारी के दौर में भी आईपीएल प्रतियोगिता जारी रखने के लिए भारत सरकार की अनुमति के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुख और तनाव के इस दौर में यह खेल प्रतियोगिता लोगों को कुछ क्षणों की खुशी और राहत जरूर पहुंचाती है। हम ऐसे मानवीय और बहादुर क्रिकेट खिलाड़ी को सलाम करते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

दागदार हुई छवि

देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं का आदेश ईवीएम में बंद हो जाने के बाद भी इस दौरान चुनाव आयोग की भूमिका पर उठे सवालों का पिटारा शायद ही बंद हो। दरअसल, ये सवाल इतने गम्भीर हैं कि जब भी आयोग की विफलताओं का जिक्र होगा, ये चर्चा में आएंगे। इस कारण और कि इनमें से ज्यादातर सवाल पश्चिम बंगाल व असम जैसे राज्यों से जुड़े हुए हैं, जहां केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सपनों व मंसूबों के साथ उसका बहुत कुछ दांव पर लगा है। अकारण नहीं कि मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि कोरोना प्रोटोकाल चुनावी रैलियों की अनुमति देने के लिए उसके अधिकारियों पर हत्या की एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

निस्संदेह, भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान ये सपने व मंसूबे पूरे करने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को बौना करने का आक्रामक अभियान शुरू किया तो उसे इसका अधिकार था, लेकिन उसके नेता इस अधिकार के इस्तेमाल में एक के बाद एक सीमाएं तोड़ने लगे तो आयोग से निष्पक्षता की कसौटी पर खरे उतरने और हर प्रत्याशी को समान अवसर सुनिश्चित करने की अपेक्षा थी। दुःखद है कि उसने शुरू से आखिर तक इस अपेक्षा को धता बताये रखी। चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा से पहले उसने केंद्रीय सत्ता की सुविधाओं व संभावनाओं का भरपूर ध्यान रखा। इंतजार किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य में अपनी रैलियों की श्रृंखला सुभीते से पूरी कर लें।

हम जानते हैं कि तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल में मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर है, तमिलनाडु से लोक सभा के 39 सदस्य चुने जाते हैं तथा पश्चिम बंगाल से 42, लेकिन आयोग ने तमिलनाडु विधानसभा का चुनाव एक चरण में कराया और पश्चिम बंगाल विधानसभा का आठ चरणों में। कारण? तमिलनाडु में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ खास नहीं है, जबकि पश्चिम बंगाल में वह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है और वहां प्रधानमंत्री समेत उसके केंद्रीय नेताओं को गहन चुनाव प्रचार का मौका चाहिए था। इसी प्रकार केरल में लोक सभा की 20 सीटें हैं और असम में चौदह। केरल में विधानसभा की 140 सीटें हैं और असम में एक सौ छब्बीस लेकिन केरल विधानसभा का चुनाव एक चरण में और असम का तीन चरणों में कराया गया। कारण यहां भी वही कि केरल में भाजपा सत्ता की प्रतिद्वंद्वी नहीं है, जबकि असम में उसके समक्ष अपनी सत्ता बचाने की चुनौती है, लेकिन क्या कीजिएगा नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद के लोक सभा व विधानसभाओं के प्रायः सारे चुनावों में उसका रवैया ऐसा ही रहा है। यह भी महज संयोग नहीं कि कोरोना प्रोटाकाल तोड़कर की जा रही बड़ी-बड़ी रैलियों को रोकने की चौतरफा अपीलों का उसने तब तक संज्ञान नहीं लिया जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद अपनी रैलियां रद्द करने का एलान नहीं कर दिया। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय के अनुसार यह इतना बड़ा अपराध है कि आयोग के अधिकारियों को हत्या के आरोप में बुक किया जाना चाहिए। इस अपराध के बाद 22 अप्रैल को जैसे ही प्रधानमंत्री ने अपनी रैलियां रद्द कीं, आयोग ने राज्य में पैदल मार्च व रोड शो पर रोक लगा दी और रैलियों में पांच सौ लोगों की भागीदारी की सीमा तय कर दी। ॥ क्या अर्थ है इसका? यही तो कि देश में संवैधानिक संस्थाओं के क्षरण के 2014 के बाद से खासे तेज हो गए सिलसिले को उसने अपनी 'कर्तव्यपरायणता' की मार्फत ऐसी जगह ला खड़ा किया है, जहां दिखाने के लिए भी अपना अम्पायर होना याद रखने की जरूरत नहीं समझता और बार-बार खिलाड़ी की भूमिका में उतर आता है। यहां याद किया जा सकता है कि मुख्य चुनाव आयुक्तों में सर्वाधिक चतचत टीएन शेषन के कार्यकाल को छोड़ दें तो आयोग का प्रदेशों में सत्तारूढ़ दलों को परेशान और केंद्र में सत्तारूढ़ दलों को अभय किए रखने का इतिहास रहा है। उत्तर प्रदेश के 2012 के विधानसभा चुनाव में उसने तत्कालीन मायावती सरकार द्वारा नितमत पार्कों व स्मारकों में लगी हाथियों की मूततयां इस तर्क पर ढकवा दी थीं कि हाथी बसपा का चुनाव निशान है। इसी तरह 2017 में उसने अखिलेश सरकार की एंबुलेंसों पर लिखा 'समाजवादी' शब्द भी हटवा दिया था। केंद्र में सत्तासीन किसी दल को उसने शायद ही कभी ऐसी परेशानियों में डाला हो। प्रसंगवशग संविधान सभा के कई सदस्यों को आयोग के गठन के वक्त ही इस सबकी आशंका थीग जिससे बचने के लिए पं. डदयनारायण कंजरू ने ऐसे प्रावधानों पर जोर दिया था, जिनसे चुनाव व्यवस्था केवल प्रान्तीय राजनीतिक प्रभावों से ही नहीं वरन केंद्रीय राजनीतिक प्रभावों से भी स्वतंत्र रहे।

15 एवं 16 जून, 1949 को संविधान सभा में हुई इस संबंधी बहस में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने मान लिया था कि उनके उपबन्ध में कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है, जिससे मुख्य चुनाव आयुक्त तथा अन्य चुनाव आयुक्तों के पदों पर किसी अनुपयुक्त व्यक्ति की नियुक्ति रोकी जा सके। इसका उन्हें बहुत सिरदर्द भी रहा था। दरअसल, संविधान के मसौदे के अनुच्छेद 289 में व्यवस्था थी कि संसद के दोनों सदनों के चुनाव के लिए एक आयोग हो, जिसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा हो। डॉ. आंबेडकर का तर्क था कि प्रांतों में अलग और स्वतंत्र ढंग से काम करने वाले चुनाव आयोग होंगे तथा वे प्रांतीय सरकारों की अधीनता में काम करेंगे, तो प्रांतीय सरकारें अपनी स्थिति का दुरु पयोग कर उन्हें प्रभावित व इस्तेमाल कर सकती हैं। संविधान सभा में अनेक सदस्यों को इस संशोधन पर आपत्ति थी। उनका सवाल था कि प्रांतीय सरकारें प्रांतीय निर्वाचन आयोग के माध्यम से मनमानी कर सकती हैं तो क्या गारंटी है कि केंद्र सरकार केंद्रीय चुनाव आयोग के माध्यम से वैसा नहीं करेगी?

यह भी तो संभव है कि केंद्र में सत्तारूढ़ कोई दल अपने प्रति पक्की निष्ठा रखने वाले किसी व्यक्ति को मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दे। तब क्या होगा? बहुत गम्भीर आरोप लगने पर ही उसे दोनों सदनों के दो तिहाई बहुमत से पदच्युत किया जा सकेगा जो लगभग असंभव होगा। इस सिलसिले में एक सुझाव यह भी था कि संविधान में ऐसी व्यवस्था कर दी जाए कि राष्ट्रपति जिसको मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त करेंग उसे संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में उपस्थित तथा मत देने वाले सदस्यों के दो तिहाई का समर्थन प्राप्त हो, लेकिन डॉ. आंबेडकर ने इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया। इसका नतीजा हमारे सामने है। केंद्र सरकारें प्रायः अपने अनुकूल चुनाव आयुक्त नियुक्त कर उसका लाभ उठाने की स्थिति में रहती हैं।

अनाज के हर दाने को सहेजना जरूरी

गेहूं की कटाई का सिलसिला आरम्भ हो चुका है, मंडियों में गेहूं के अंबार लगने लगे हैं। मगर इसके साथ ही मौसम भी मनमानी करवटें ले रहा है। कभी सुनहरी धूप, कभी धूल भरी आंधी, तो कभी अकस्मात ही रिमझिम की बौछारें। कृषि व्यवसाय से मौसम का गहरा नाता रहा है। फ़सली चक्र के अनुरूप मौसम की अनुकूलता रोपित फ़सल के संवर्द्धन में जहां अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होती है वहीं अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि एवं तुषारापात आदि संभावित उपज दर के लिए प्रतिकूलता का पर्याय बनते हैं। ख़ासतौर पर कटाई से ढुलाई तक के अंतिम पड़ाव पर मौसम का साफ रहना अनिवार्य हो जाता है।

लेकिन यदि देश की मंडी व्यवस्था की बात करें तो बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित करने पर भी मंडियों की अवस्था में संतोषजनक परिवर्तन नहीं आ पाया। अभी भी फ़सलों के उचित रखरखाव एवं भंडारण हेतु अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध नहीं। हाल ही में व्यवस्था का सत्य दर्शाती कुछ तस्वीरें भी प्रकाशित हुईं। विडंबना की पराकाष्ठा है कि प्रति वर्ष करोड़ों टन अनाज सरकारी कुप्रबन्धन की बलि चढ़ जाता है। भारत में अनाज का अनुमानित उत्पादन 30 करोड़ टन है। एफसीआई मात्र 8 करोड़ टन की ख़रीद करता है जो कि कुल उत्पादन का क़रीब एक-चौथाई बनता है। बचे हुए खाद्यान्न का अधिकतर भाग खुले में ही पड़ा रहता है।

वर्षा की बौछारें कहर बनकर आती हैं, न केवल किसान के अनथक परिश्रम पर ही पानी फिरता है अपितु लाखों-करोड़ों की संख्या में लोगों की भोजन उपलब्धता पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाता है। जो अनाज भुखमरी एवं कुपोषण के आंकड़े को शून्य तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो सकता था, अभक्ष्य हो जाने के कारण फेंकना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 50 किलो प्रति व्यक्ति भोजन की बर्बादी होती है। प्रति वर्ष भारत के कुल गेहूं उत्पादन में से क़रीब 2 करोड़ टन गेहूं नष्ट हो जाता है। यही कारण है कि प्रचुर मात्रा में खाद्य उत्पादन होने पर भी 'वैश्विक भूख सूचकांक 2020' में सर्वाधिक भूख से पीड़ित देशों की सूची में भारत 94वें स्थान पर रहा तथा 27.2 अंकों के साथ 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया।

प्राप्त आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत की 14 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषणग्रस्त है तथा देश के बच्चों में स्टंटिंग रेट 37.4 प्रतिशत है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में ग़रीब लोगों की बड़ी आबादी भारत में है। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात करें तो खाद्यान्न बर्बादी का मामला संज्ञान में आने पर यदि संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जांच के आदेश होते हैं तो यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है, जब तक कि वे सेवामुक्त नहीं हो जाते।

अन्न की बर्बादी के कारण भूखजनित समस्याओं में वृद्धि हो रही है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग पचास हज़ार करोड़ रुपये का अन्न हर साल बर्बाद होता है, जिसका मूल कारण भंडारण स्थान की कमी व उचित रखरखाव की सुविधाओं का अभाव है। इससे न केवल देश एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अपितु वैश्विक पर्यावरण भी ख़ासा प्रभावित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य पदार्थों की बर्बादी से ग्रीनहाउस गैस में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

किसानों पर भी इसका सीधा असर पड़ता है। देश में चल रहा किसानों का विरोध-प्रदर्शन इस बात का गवाह है कि अधिक मात्रा में उत्पादन होने पर भी, कारग़र नीतियों के अभाव में, किसानों को अपने अथक परिश्रम का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। करीब 40 प्रतिशत अनाज खेतों से घरों तक पहुंच ही नहीं पाता। मंडियों में अनाज व अन्य खाद्य पदार्थों को संभाल कर रखने के लिए सही मूलभूत ढांचा ही नहीं, जिस कारण खाद्य सामग्री सड़-गल कर बर्बाद हो जाती है। यही सामग्री यदि लोगों तक अपनी पहुंच बना पाए तो निश्चित तौर पर भुखमरी का आंकड़ा कम होगा।

कोई भी सरकार जब सत्ता में आती है तो विकास का लक्ष्य अधिकतर बड़ी योजनाओं पर केंद्रित रहता है। किंतु सोचने की बात है कि देशवासियों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हुए बग़ैर देश का विकास भला कैसे संभव है? भोजन जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। प्रति वर्ष 25.1 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादित होने के बावजूद जहां हर चौथा भारतीय भूखा सोए और देश के 19 करोड़ लोगों को दो वक्त का खाना तक न मिल पाए, वहां तकनीकी विकास के क्या मायने रह जाते हैं?

खाद्यान्न की बर्बादी को कम करना है तो देश की उत्पादन क्षमता के अनुसार ही, खाद्य उत्पादन प्रसंस्करण, संरक्षण और वितरण प्रणालियों को भी विकसित करना होगा। स्मरण रहे, जब तक अन्न के हर दाने को सहेजने हेतु उचित प्रबन्धन नहीं होगा, तब तक भारत को कुपोषण एवं भुखमरी मुक्त राष्ट्र बनाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

रेत की लूट

रात का अन्तिम पहर था। ठंड काफी बढ़ गई थी। हमें ठंड की उतनी परवाह नहीं थी जितनी प्यास की। अपनी शॉल कसकर लपेटते हुए हमने आस-पास के माहौल का जायजा लिया। दूर दूर तक कोई आबादी नहीं, किसी गांव-खेड़े का कोई संकेत नहीं। चारों ओर एक सख्त सन्नाटा पसरा था जिसे या तो झींगुर तोड़ रहे थे या हमारी बातें। हर तरफ मिट्टी के ऊंचे-नीचे ढूहों का विस्तार था। पकड़ के बाद खनन-माफिया के कट्टेबाज हमें एक ढूह की निचली ढलान पर फेंक गए थे, जहां हवा में एक विशेष प्रकार की नमी थी। प्रोफेसर का मानना था कि ऐसी नमी तभी पाई जाती है जब आस-पास कोई नदी या तालाब हो। हमने अपने कदम तेज कर दिए। ढूह के शिखर पर पहुंचते ही आंखों में चमक आ गई। प्रोफेसर का अनुमान सही था।

आधा घंटा भी न बीता होगा कि हम चम्बल की रेत पर खड़े थे। चम्बल का पानी अत्यंत स्वच्छ था। इतना कि पानी में तारों के प्रतिबिम्ब दिखने लगे। हमने पानी को पानी की तरह तो पिया ही खाने की तरह निगला भी। हमारी थकान का स्तर बहुत बढ़ गया था। पलकें नींद का बोझ उठाने में असमर्थ थीं। मैं कहने को था कि थोड़ी देर शॉल बिछाकर रेत पर ही सो जाएं, लेकिन प्रोफेसर किसी और ही उधेड़बुन में थे। उंगली के इशारे से मुझे कुछ दिखाने लगे। 'अनिबलीवेबल!' मेरे मुंह से अनायास निकल पड़ा। चम्बल नदी के दूसरे किनारे पर ट्रैक्टरों और ट्रकों की लम्बी कतारें थीं। उषाकाल के झुटपुटे में उनकी हेडलाइटें बनैले पशुओं की आंखों-सी चमक रही थीं। जेसीबी मशीनें अपने जबड़े खोलकर नदी पर हमलावर थीं। रेत का खनन लगातार जारी था। चम्बल की सम्पदा को उसके ही पुत्र बड़ी निर्ममता से लूट रहे थे। 'ये तो इल्लीगल है।' मैंने कहा। प्रोफेसर बोले- 'हां। तभी तो रात के अंधेरे में हो रहा है। चम्बल के किनारे कहीं भी रेत खनन की इजाजत नहीं है। डाकुओं के सरेंडर के बाद यह चम्बल की नई डकैती है-करोड़ों-अरबों का कारोबार। यह सब राजनीति, पुलिस, प्रशासन और वन-विभाग की शह के बिना मुमकिन नहीं।' प्रोफेसर ने जेब से अपना कलम निकाला और उसे बाइफ से दाइफओर घुमाया। मैं समझ गया कि प्रोफेसर के कलम में कैमरा छिपा है।

शर्म मगर इन्हें नहीं आती

कोविड संक्रमण की यह दूसरी लहर समूचे देश के लिए अत्यंत घातक साबित हो रही है। महामारी की भीषणता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चौबीस घंटे में नये केसों का आंकड़ा साढ़े तीन लाख से ऊपर जा चुका है तथा सैकड़ों लोग प्रतिदिन दम तोड़ रहे हैं। टेस्ट किए जाने वाले हर पांच में से एक व्यक्ति संक्रमित निकल रहा है। अस्पताल रोगियों से पटे पड़े हैं और मुर्दाघर और श्मशान व कब्रिस्तान लाशों से। ऐसा तब है जब 15 मई तक इस महामारी के चरम पर पहुंचने की आशंका जताई जा है।

कोरोना से जंग में सभी आपदाग्रस्त राज्यों के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की चूलें हिलती दिखाई दे रही हैं। सरकारी हो या निजी; अस्पतालों में न पर्याप्त वेंटिलेटर हैं, न बेड और न ही ऑक्सीजन व जीवन रक्षक दवाएं। ऊपर से डॉक्टरग नर्स व पैरा मेडिकल स्टाफ तेजी से संक्रमित होता जा रहा है। हद तो इस की बात है कि इस राष्ट्रीय आपदाकाल में भी तमाम संवेदनहीन व स्वार्थी लोग ऑक्सीजन ही नहीं जीवनरक्षक दवाओं व उपकरणों की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी कर अपनी जेबें भरने में लगे हैं, साथ ही जांचों में भी बड़े पैमाने पर लापरवाही व धांधली के मामले भी तेजी से उजागर हो रहे हैं। कोरोना टीके की कालाबाजारी जमकर हो रही है। पूरे देश में रेमडेसिवर इंजेक्शन की भारी किल्लत है। मेडिकल प्रैक्टिशनर्स और इसे खरीदने वाले लोगों की मानें तो करीब साढ़े 5 हजार रुपये की कीमत वाले इस इंजेक्शन को जरूरतमंदों के लिए 30 से 40 हजार रुपये तक बेचा जा रहा है। कभी अस्पताल से वैक्सीन चोरी होने की खबरें सामने आती हैं तो कभी प्रशासन और सरकार की नाक के नीचे 750 से 1000 रुपये का इंजेक्शन 18000 तक में बिकने की। पैरासिटामोल जैसी गोली भी इस महामारी के दौर में 100 रूपए तक बेची गई। पीड़ितों की मानें तो विटामिन सी की गोली से लेकर नींबू तक के दाम थोक में वसूले गए। अपनी मां के कोरोना के इलाज करवाने के दौरान इस लूटतंत्र का शिकार हुए एक सज्जन बताते हैं कि पांच हजार कीमत के ऑक्सीजन सिलिंडर के 46 हजार से अधिक रुपये वसूले जा रहे हैं। पिछले साल दो रुपये में मिलने वाला मास्क इस समय छह रुपये में मिल रहा है तथा छह से आठ सौ रुपये में मिलने वाला ब्रांडेड कंपनी का पल्स ऑक्सोमीटर दो हजार रुपये तक में। वहीं भाप लेने वाली डेढ़-दो सौ की इलेक्ट्रॉनिक मशीन पांच से सात सौ रुपये में मिल रही है।

गौरतलब हो कि दवाओं व जीवन रक्षक उपकरणों की इस कालाबाजारी के अलावा दूसरा प्रमुख कारण जो इस महामारी की चेन तोड़ने में बाधक साबित हो रहा है, वह है कोरोना की जांच में होने वाला फर्जीवाड़ा। सूत्र बताते हैं कि कई अस्पतालों में मुनाफाखोरी में फर्जी कोरोना रिपोर्ट बनाने का खेल चल रहा है। बीते दिनों मुंबई पुलिस ने पुणे के एक ऐसे ही गिरोह का पर्दाफाश किया। यह गिरोह मरीजों को कोरोना की फर्जी आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट बनाकर देता था और बदले में मोटी रकम वसूलता था। लखनऊ और नोएडा में भी पैसे लेकर फर्जी रिपोर्ट बनाने के मामले उजागर हुए हैं। इसी तरह कुछ समय पूर्व गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) के प्रसिद्ध बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जांच न होने के से 700 नमूने खराब हो जाने का मामला अखबारों व चैनलों की सुतखयां बना था। कानपुर में भी कोरोना की जांच करने वाले कुछ केंद्रों पर बिना आइस पैड के सैंपल को धूप में छोड़ दिए जाने की खबर सामने आई थी।

काबिलेगौर हो कि कोरोना की पहली लहर में जब पूरे विश्व को आशंका थी कि सीमित संसाधनों और विशाल जनसंख्या के कारण कोरोना भारत में तबाही मचा देगाग तब हमने सूझबूझ से इस महामारी को काबू में कर पूरी दुनिया को चौंका दिया। यहां तक कि इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाने के लिए वैक्सीन भी बना लीग लेकिन फिर अचानक ऐसा क्या हुआ कि परिस्थितियां बेकाबू हो गइफ? क्यों सभी राज्य सरकारें और प्रशासन इस वायरस के आगे बौने दिखाई पड़ रहे हैं?

इस तथ्य को कतई नकारा नहीं जा सकता कि वर्तमान के इस कोरोना काल ने सिर्फ हमारी स्वास्थ्य सेवाओं की कलई खोली है बल्कि दम तोड़ते मानवीय जीवन मूल्यों का सच भी बेनकाब किया है। सचेत व सतर्क रहने का समय है यह। हमें एकजुट होकर इस महायुद्ध में जुटना होगा और साबित करना होगा कि चंद मुट्ठी भर लोगों का लालच मानवीय मूल्यों पर हावी नहीं हो सकता।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पाटन के कोविड केयर सेंटर में दस कोरोना पॉजिटिव भर्ती

पाटन। अनुसूचित जाति-जनजाति छात्रावास में गुरुवार तक 10 कोरोना मरीज भर्ती कराये गए हैं। जिसमें एक कोरोना पॉजिटिव बिहार का श्रमिक भी है जिसे सेंटर में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहार से श्रमिकों की टीम पाटन स्थित समर्थन मूल्य की खरीदी केंद्र में कार्य कर रही है और उसी टीम में उक्त श्रमिक भी कार्य करता था, पिछले दिनों इसकी तबियत खराब हुई तो इसकी जांच करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन लाया गया। जहां जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने पर उसे पाटन कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया गया।

पाटन की सिविल लाइन कॉलोनी कोरोना प्रभावित क्षेत्र घोषित

पाटन। सिविल लाइन जो कि पाटन की एक शांत कॉलोनी कहलाती है। यहां समस्त न्यायिक पाटन कोर्ट एवं राजस्व न्यायालय के अधिकारी, कर्मचारी व विधुत विभाग के अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारीगण निवासरत हैं। इस कॉलोनी में कोरोना ने दस्तक दे दी है और समस्त कॉलोनी को प्रवेश हेतु नगर परिषद द्वारा बेरिकेट लगाकर बन्द कर दिया गया है। यहां नगर परिषद ने अपने बोर्ड लगाकर इसे कोरोना प्रभावित क्षेत्र घोषित किया है।

जैन महिला परिषद ने कोविड सेंटर को दिया चैक

सिहोरा। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद पार्श्वनाथ शाखा सिहोरा द्वारा गोसलपुर कोविड केयर सेंटर को 10 हजार रूपये का चैक दिया गया है। उक्त राशि कोरोना संक्रमण से प्रभावित हो रहे, लोगों के लिये ऑक्सीजन सिलेण्डर एवं अन्य सामग्री क्रय करने के उदेश्य से दिये गये है। इस अवसर पर डॉक्टर अनुराग दुबे, महिला परिषद की प्रांतीय सहमंत्री एवं केंद्रीय जनसंपर्क अधिकारी निशा जैन, सचिव संध्या जैन, सुधीर जैन, सौमिल जैन, अनीता जैन, ममता, संध्या, आशा, विजय, अनिता, जयश्री, माया मुक्ता, संगीता सिंघई, आशा चौधरी, माया, सुधा, ऊषा, नीतू, रोशनी, बबीता, सारिका, दीप्ति जैन सहित अन्य सदस्य एवं स्टाफ उपस्थित था

सिंघई धर्मचंद जैन(पौंडीवालों) का निधन

जबलपुर। इलाहबाद बैंक के बाजू में, बरमबाबा, शहपुरा निवासी सिंघई धर्मचंद जैन(पौंडी वालों) का गुरुवार को निधन हो गया। वे डॉक्टर कुमार जैन के पिता और डॉ. शशांक एवं डॉ.सौरभ जैन के दादा थे। अंतिम संस्कार शहपुरा मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मधु झारिया का निधन

जबलपुर। मदन महल निवासी मधु झारिया का 63 वर्ष की आयु में गुरुवार को निधन हो गया। वे सुखराम झारिया की धर्म पत्नी तथा ललित झारिया, मनोज झारिया की माता एवं अशोक, सुरेन्द्र झारिया की बहन थीं। अंतिम संस्कार चौहानी मुक्तिधाम में किया गया।

लॉकडाउन के कारण समस्या के बाद भी नहीं निकले लोग घरों से

48 घंटों से नगरवासी पानी के लिए परेशान

सिवनी (एजेंसी)।

अप्रैल माह प्रारंभ हो चुका है और पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी तापमान 38 से 40 डिग्री के लगभग देखा जा रहा है। लेकिन विडबंना है कि 48 घंटो से नगर मुख्यालय में जलसंकट के कारण लोग त्राहि माम-त्राहि माम कर रहे हैं, लेकिन सुनने वाला कोई नही है। नगर मुख्यालय में इस माह में 2 से 3 बार पानी की सप्लाई लाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण यह समस्या निर्मित हुई है।

पुलिस के भय से मौन हैं लोग

गौरतलब है कि वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन की स्थिति बनी हुई है। और हर परिवार को भले ही भोजन ना मिले लेकिन पानी के बिना जीवन यापन कर पाना कठिन होता है। लेकिन विडबंना है कि 48 घंटों में नगरपालिका ने लोगों की सुध लेना भी उचित नही समझा। एक ओर लोग कोरोना के कारण घर से बाहर निकलना भी उचित नही समझते,वहीं दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के भय के कारण लोगों के लिए दूर-दराज से पानी लाना भी मुश्किल लग रहा है।

न पानी पहुंचा न टैंकर

पूर्व के वर्षो में नगरपालिका पानी की समस्या के दौरान टैंकर के माध्यम से लोगों को राहत पहुंचाने की कोशिश करती थी,लेकिन इस बार तो 48 घंटों के बीच में किसी ने सुध लेना भी उचित नही समझा। लोग बेबश है,परेशान है लेकिन ना कह सकते है,और ना ही समस्या का समाधान निकाल सकते है।

घर के लोग चुपचाप बर्तन लेकर निकले पानी लेने

अनेक परिवार में छोटे-छोटे बच्चे है जो पुलिस के भय से हाथ में गुन्डी, बर्तन,कुप्पी लेकर पानी के लिए देखे गये। और कुछ परिवार तो ऐसे भी जो तीन से चार मंजिल ऊपर रहते है,लेकिन उन्हें भी काफी मशक्कत के बाद उपयोग के लिए पानी नसीब हुआ। लोग किसी तरह से हैण्डपंप अथवा कुंओं से पानी ला तो सकते थे,लेकिन पुलिस के भय के कारण वहां जाना भी उन्होंने उचित नही समझा।

पानी की सप्लाई प्रभावित होने पर तत्काल दें सूचना

अक्सर देखा जाता है कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण पानी की सप्लाई बंद होने पर पालिका अखबारों में विज्ञप्ति देती है,और जब तक लोगों के हाथ में अखबार पहुंचता है,तब तक लोगों के लिए पानी की आवश्यकता विकराल रूप ले चुकी होती है। बेहतर होता कि प्रशासन ऐसी स्थिति में अलाऊंसमेंट के माध्यम से लोगों को सूचित करें जिससे लोग संयम के साथ मित्तव्ययतापूर्वक पानी का उपयोग कर सकें।

18 से 44 वर्ष के लोगों के टीकाकरण के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

सिवनी। (एजेंसी)। मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों को कोविड टीकाकरण कराने का कार्य शुरू होगा। जिले में भी 28 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। 31 दिसम्बर 2003 से पहले जन्मे सभी लोग वैक्सीनेशन के लिए पात्र होगें। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 18 से 44 वर्ष के व्यक्ति कोविड वेबसाइड या आरोग्य सेतू एप से रजिस्ट्रेशन कर सके गे।https//selfregistration.cowin.gov.in पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का विकल्प चुनना होगा। इसके बाद मोबाइल नम्बर दर्ज करें। गेट ओटीपी पर क्लिक करें। संबंधित के मोबाइल पर ओटीपी आएगा जिसे सब्मिट करते ही नया पेज खुलेगा, जिसकी जानकारी भरनी होगी। कोई एक विकल्प चुनकर आईडी नम्बर डालने के बाद नाम, जेण्डर और जन्मतिथि अंकित करना होगा। फिर वैक्सीजन सेंटर चुनने का विकल्प सामने आएगा। सेंटर का चुनाव करने के बाद सुविधा अनुसार स्लॉट चुन सकते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद वैक्सीन लगाने का मैसेज आने पर उस तिथि को संबंधित केन्द्र पर जाकर वैक्सीनेशन कराना होगा।

29 और 30 अप्रैल को नहीं लगेंगे कोरोना के टीके : शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में टीकाकरण के सभी सत्र निरस्त मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में 29 एवं 30 अप्रैल को कोविड-19 टीकाकरण के समस्त सत्र निरस्त कर दिये गये हैं । इनमें जिला अस्पताल परिसर जीएनएमटीसी केंद्र भी शामिल हैं । जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ लोकेश चौहान के अनुसार 29 एवं 30 अप्रैल को कोरोना वेक्सीनेशन कार्य को निरस्त करने के पीछे 1 मई से प्रारंभ होने वाले 18 वर्ष से 44 आयु वर्ग के नागरिकों के टीकाकरण सत्रों की पुर्नरचना (अस्पताल को छोड़कर अन्य स्थलों पर) की प्रक्रिया, टीम सदस्यों का प्रशिक्षण एवं आवश्यक अपेक्षित प्रोटोकॉल की व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रमुख उद्देश्य है । जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि 1 मई से प्रारम्भ हो रहे कोरोना टीकाकरण के नये चरण के लिये जिले के लिए सभी व्यवस्थाओं के पर्यवेक्षण एवं सुपरविजन सीएमएचओ, जिला टीकाकरण अधिकारी एवं शहरी क्षेत्र के लिए शहरी टीकाकरण अधिकारी के द्वारा की जाएगी।

घर-घर जाकर कर रहे सर्वे : किल कोरोना अभियान में घरों-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है । कोविड के प्रारंभिक लक्षण वाले लोगों को दवाईयां दी जा रही है एवं निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने हेतु समझाइश दी जा रही है । जिले में लोगों को वैक्सीनेशन हेतु प्रेरित किया जा रहा है और निकटतम वैक्सीनेशन सेंटर में जाकर अपना वैक्सीनेशन कराने हेतु समझाइश दी जा रही है ।

सिवनी में अब आठ मई तक बढ़ाया कोरोना कर्फ्यू

सिवनी (एजेंसी)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ.राहुल फ टिंग ने पूर्व में 12 अप्रैल की प्रातः 6 बजे से 22 अप्रैल 2021 की प्रातः 6 बजे तक की अवधि के लिए जारी किए गए कोरोना कर्फ्यू के आदेश को 8 मई 2021 की प्रातः 6 बजे तक की अवधि के लिए बढ़ाने के आदेश जारी किये हैं। उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

जिले के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के सकारात्मक प्रयासों से लगातार कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर रवाना हो रहें हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के.सी. मेशराम से प्राप्त जानकारी अनुसार कुल 146 कोरोना मरीज पूर्णतः स्वस्थ हुये हैं, वहीं 138 नये कोरोना पॉजिटिव मरीज विगत दिवस प्राप्त रिपोर्ट मे पाये गए हैं। जानकारी अनुसार अब तक जिले में कुल 90038 संदिग्ध व्यक्तियों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। जिसमें से 4865 कोरोना पॉजिटिव मरीज पाये गए हैं। जिनमें 3915 मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। वर्तमान में कोरोना के 931 एक्टिव केस हैं। जिनमें से 809 मरीज होंम कोरोनटाइन हैं। जिनकी मॉनिटरिंग कोविड़ कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से की जा रहीं।

विधायक ने एसडीएम और बीएमओ के साथ किया निरीक्षण

कुरई (एजेंसी)। खेल परिसर छात्रावास में तीस बेड का कोविड़ केयर सेन्टर बनकर तैयार है, उसके संचालन के लिए डॉ.और नर्स की व्यवस्था प्रशासन शीघ्र कर शुरुआत करें। विधायक अर्जुन सिंह ने एसडीएम एवं बीएमओ के साथ निरीक्षण किया।

कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर दो दुकानों को किया सील

लखनवाड़ा पुलिस की कार्रवाई

सिवनी (आरएनएन)। वर्तमान में कोविड-19 संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों एवं भ्रामक तथ्यों को सोशल मीडिया में शेयर व पोस्ट करने वालों के विरूद्ध के लिए पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक के द्वारा सभी थानों को निर्देशित किया गया है। निर्देशों का परिपालन में 29 अप्रैल को थाना लखनवाड़ा में सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्रान्तर्गत स्थित गोपालगंज में कुछ व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा शासन द्वारा जारी कोविड कर्फ्यू का उल्लंघन कर अपनी दुकानों को खोला जा रहा है। जिस पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी लखनवाड़ा द्वारा पुलिस टीम को गोपालगंज रवाना किया गया। जहां मौके पर पुलिस टीम को संतोष पंचेश्वर पिता गोबरी पंचेश्वर की किराना दुकान व नब्बू शाह पिता बब्बू शाह की जूता-चप्पल की दुकान शासन के अनुमति बिना खुली पायेगी। दोनो दुकानों को सील कर उनके संचालकों के विरूद्ध थाना लखनवाड़ा में धारा-188 भादवि के 02 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिये गये। पुलिस प्रशासन के द्वारा कोरोना संक्रमणकाल में सभी आमजनों से सहयोग की अपील की गई है। शासन के नियमों का पालन करते हुए अपने घरों से अनावश्यक बाहर ना निकलें, सजग रहें, सुरक्षित रहें।

नगरीय क्षेत्रों में हो रहा वितरण

कोरोना के लिये संजीवनी है त्रिकुट काढ़ा: डॉ. दीपा पांडे

सिहोरा (एजेंसी)।

कोरोना संकट के इस दौर में आवश्यक है कि हर व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी पॉवर) अच्छी रहे, जिससे वायरस हम पर प्रभाव न कर पाए यह काढ़ा कोरोना संक्रमण बचाने के लिये संजीवनी साबित होगा। उक्ताशय के विचार रमखिरिया औषधालय की प्रभारी डॉ. दीपा पांडे ने जीवन अमृत योजना अंतर्गत त्रिकूट चूर्ण काढ़ा वितरण के अवसर पर व्यक्त किए।डॉ.श्रीमती दीपा पांडे ने बताया कि हमारे ऋषियों एवं वैद्यों ने आयुर्वेद में ऐसी औषधियों बनाई हैं, जिनसे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हम स्वस्थ रहते है। प्रदेश सरकार एवं आयुष विभाग द्वारा तैयार किया गया विशेष त्रिकुट चूर्ण-काढ़ा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अत्यधिक कारगर है। कोविड -19 से बचने के लिए चलाई जा रही जीवन अमृत योजना के अंतर्गत कर्मचारी एवं आम जनों को घर घर जाकर आयुर्वेदिक औषधि वितरण के निर्देशानुसार आयुर्वेद के कर्मचारी एवं आयुर्वेदाचार्य घर-घर जाकर ना सिर्फ औषधि दे रहे हैं, बल्कि इसके सेवन की विधि भी बता रहे हैं इसी काम में अब वालंटियर एवं निजी आयुर्वेदाचार्य भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

वार्डो में हो रहा काढ़े का वितरण

त्रिकूट काढ़े के फायदे चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर दीपा पांडे ने बताया कि इस काढ़े का सेवन चाय में तुलसी पत्ती के साथ दो चुटकी काढ़ा डालकर पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जो कोरोना संक्रमण को कम करने में सहायक हो सकती है। गत दिवस वार्ड नं 5 एवं 6 में चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में वालंटियर राजेश तिवारी की उपस्थिति में आनंद प्रकाश जैन, प्रशांत साहू, आरती तिवारी, विजय साहू , संगीता ग्रोवर , आशीष सोनी , अनारी नामदेव, विपलव तिवारी आदि को त्रिकूट चूर्ण का वितरण किया गया।

ओ फार्म की रसीद कटने पर बसों को असंचालित माना जाए : तेजबली

लॉकडाउन में खड़ी बसों को करमुक्त किये जाने की मांग

सिवनी (एजेंसी)।

कोरोना महामारी के कारण देश के साथ संपूर्ण मप्र में भी लॉकडाउन/कर्फ्यू मप्र सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा लागू किया गया है। जिसमें सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान स्कूल,कॉलेज,हॉट बाजार, कोट कचहरी सभी कुछ बंद है। सिर्फ शादियों के लिए दोनों पक्षों की ओर से कहीं 10 कहीं 25 तो कहीं 50 लोगों की उपस्थिति के साथ संपन्न करने की अनुमति है। वहीं प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा जनता को घर से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऐसे हालात में यात्री अभाव के कारण बस संचालन संभव नही है। इसी बात को जिला प्रायवेट बस ऐसोसिएशन के जिलाध्यक्ष तेजबली सिंह ने अपनी विज्ञप्ति में कहा है।

बस संचालन बंद, एक माह का अतिरिक्त लगा टैक्स : श्री तेजबली ने कहा है कि मप्र में 9 अप्रैल से लगभग 98 प्रतिशत बस संचालन यात्री अभाव में बंद है। अप्रैल का टैक्स फालतू गया। आमदनी शून्य रही है। एक वर्ष से मप्र के बस संचालक भारी घाटे के कारण ना तो टैक्स जमा करने की स्थिति में है,ना केएम फार्म की फीस भरकर बस खड़ी करने की स्थिति में है। छोटे-छोटे एवं बस मालिक तो परिवार का भरण-पोषण भी ऋण लेकर कर रहे हैं। उनकी हालत अत्याधिक दयनीय है। इसी के साथ ही आवागमन के साधन बंद होने से

आरटीओ कार्यालय स्थित वाले शहर को छोड़कर अन्य स्थानों के संचालक आरटीओ ऑफिस पहुंचकर सूचना देने की स्थिति में भी नही हैं। किसी प्रकार निकलने का प्रयास भी करें तो कोरोना से संक्रमित होने का 100 प्रतिशत खतरा है। महामारी के चलते देश एवं प्रदेश की हालत खराब है।

खड़ी बसों को असंचालित बस माना जाये प्रायवेट बस ऐसोसिएशन के जिलाध्यक्ष तेजबली सिंह ने आगे कहा कि कोरोना महामारी एक राष्ट्रीय आपदा है और राष्ट्रीय आपदा के विंहगम रूप के कारण माननीय न्यायालय भी बार-बार शासन-प्रशासन द्वारा आदेशित किया जा रहा है कि व्यवस्थाऐं कैसी हों। अर्थात राष्ट्रीय आपदा में सारे नियम कानूनों को उनकी जगह राष्ट्रीय आपदा अधिनियम ले लेता है। अतःआदेशित किया जावे कि जो बस संचालक जहां पर है, अपनी बस के रजिस्ट्रेशन नम्बर से ओ-फार्म की रसीद कटावे, जिनकी रसीद कट जावेगी उन बसों को नॉनयूज (असंचालित) माना जावे। इस संबंध में परिवहन आयुक्त से भी अनुरोध है कि परिवहन विभाग के मैदानी मुखिया होने के नाते बस ऑपरेटरों की वस्तुस्थिति सरकार तक पहुंचाकर राहत दिलाने की भी कृपा करें।

मृगनयनी भवन सिहोरा में रक्तदान शिविर आज

सिहोरा। गत वर्ष कोरोना काल में जिला अस्पताल में हुई रक्त की आपूर्ति के पूर्ति के लिए सिहोरा मृगनयनी भवन में शिविर आयोजित किया गया था। उसी तरह इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। एक यूनिट रक्त दान, बचाये किसी की जान के उद्देश्य के तहत सिहोरा मृगनयनी भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है । शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन थैलीसीमिया से ग्रसित उन मासूम बच्चों के लिए भी है जिन्हे हर कुछ दिनों में रक्त की आवश्यकता होती है। चूंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों के द्वारा 1 मई से 18 वर्ष से ऊपर सभी युवाओं को टीकाकरण का अभियान भी चालू हो रहा है। जिसके कारण युवा टीका लगवाने के कारण कुछ दिनो तक रक्त दान नही कर पाएंगे। हमारा यही धेय है की जिस प्रकार ऑक्सीजन की कमी हो रही है उसे देखते कही ब्लड बैंकों में रक्त की भी कमी भी न हो जाए। रक्तदान कार्यक्रम किसी संस्था के द्वारा नहीं बल्कि समूचे सिहोरा वासियों के द्वारा हो रहा है। जिसमे युवाओं ओर नगर वासियों के द्वारा समस्त जनमानस से अपील भी की जा रही है की जितनी ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग रक्त दान करे उतना ही फायदा हमारे नगर को होगा। सिहोरा में और भी संस्था के लोग सिविल अस्पताल सिहोरा की मदद में आगे आए है और नगर में होने जा रहे रक्तदान शिविर को भी सम्मान सहित संपन्न कराएंगे। रक्तदान शिविर में जिला अस्पताल विक्टोरिया ब्लड बैंक की टीम आएगी जो कोरोना नियमो के पालन के साथ इसे संपन्न कराएगी।

श्रीमती शकुंतला जायसवाल का निधन

जबलपुर। अवधपुरी ग्वारीघाट निवासी श्रीमती शकुंतला जायसवाल का 72 वर्ष की आयु में गुरुवार को निधन हो गया। वे नगर निगम जबलपुर के जलप्रदाय श्रमिक संघ के अध्यक्ष धन्नू लाल जायसवाल, आप आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. मुकेश जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल, दिनेश जायसवाल की माता थीं। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

बदल रहा मौसम का मिजाज, दिन में गर्मी के तेवर हुए तीखे, रात में अभी भी नम्र, दिन व रात के तापमान में अंतर

जबलपुर (एजेंसी)। गर्मी ने अब अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। लेकिन जिस प्रकार मौसम अपना मिजाज बदल रहा है, वह लोगों को सर्द-गर्म वाली बीमारियों को लेकर और अधिक परेशान कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक ओर तो दिन में तेज धूप के कारण गर्मी के तेवर सुर्ख हैं और दिन का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जा रहा है। वहीं दूसरी ओर रात का न्यूनतम तापमान औसत से कम जा रहा है। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते बादल आने की संभावना की है। जिससे तेज गर्मी में फौरी तौर पर राहत मिलने की भी संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को शहर का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। सुबह की आद्रता 23 प्रतिशत तथा शाम की 12 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं शहर में उत्तर-पश्चिमी हवाएं 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। वहीं मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 24 घंटों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश में दिन का सर्वाधिक तापमान दतिया में 45 डिसे दर्ज किया गया।

बांग्लादेश से रेमडेसिविर खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों के बीच कई राज्यों में रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत देखने को मिल रही है। वहीं, अमेरिकी फार्मा दिग्गज गिलियड साइंसेज ने रेमेडिसविर की 450,000 शीशियों को प्रदान करने पर सहमति जताई है।

इसके बावजूद सरकार मिस्र, उज्बेकिस्तान, यूएई और बांग्लादेश जैसे देशों से भी इसे खरीदना चाह रही है। इसकी वजह है कि देश में इनकी किसी भी तरह से किल्लत ना हो। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इन देशों में भारतीय मिशन कोविड-19 दवा की खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। बांग्लादेश से रेमडेसिविर इम्पोर्ट करने की वजह दवा की कीमत है। यहां दवा जेनरिक उत्पादन वर्जन की कीमत काफी कम पड़ती है। यूएन क्लासिफिकेशन के अनुसार बांग्लादेश कम विकसित देश कैटेगरी में आता है। इसके तहत वह रेमडेसिविर का जेनरिक वर्जन तैयार कर सकता है। इसके लिए उसे मूल कंपनी गिलीड से लाइसेंस की जरूरत नहीं है। दोहा घोषणा के अनुसार ट्रिप्स पेटेंट कानून 2033 तक बांग्लादेश पर लागू नहीं हो सकते हैं। ऐसे में बांग्लादेश पर रेमडेसिविर की कॉपी का उत्पादन करने और बेचने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। चूंकि, बांग्लादेश में प्रोडक्शन कॉस्ट तुलनात्मक रूप से कम है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय मार्केट की तुलना में रेमडेसिविर का जेनरिक वर्जन सस्ता पड़ रहा है।

वैक्सीन न लगवाने वाले हालात के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना से मौतों का आंकड़ा 2 लाख के पार हो चुका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब हर दिन 3 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा रहे हैं। हालांकि, देशभर के श्मशाम घाटों और कब्रिस्तानों से आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक मौतों का आंकड़ा कहीं ज्यादा है। अब इस पर एक्सपर्ट्स खुलकर बोलने लगे हैं। श्रीजयवेद इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवेस्कुलर साइंस एंड रिसर्च, बेंगलुरु के प्रोफेसर डॉ. प्रसन्नसिम्हा ने इन मौतों और देश के हालात के लिए मौका मिलने के बाद भी वैक्सीन न लगवाने वालों को जिम्मेदार ठहराया है। डॉक्टर प्रसन्नसिम्हा ने कहा, वैक्सीनेशन को लेकर लोगों के मन में जो संदेह था वही कोरोना महामारी में सबसे बड़ा हत्यारा बनकर सामने आया है।

ज्यादातर वही लोग मर रहे हैं जिन्होंने मौका मिलने के बाद भी वैक्सीन नहीं लगवाई थी। अगर आपको वैक्सीन लगवाने का मौका मिला और आपने नहीं लगवाया। अब आप गंभीर रूप से संक्रमित हैं तो इसका आपको एहसास होना चाहिए कि आपने दूसरे मरीज को मिलने वाले बेहतर इलाज का हक उससे छीन लिया है। अगर आप नहीं होते तो आज ये स्थिति नहीं होती। मरीजों को आराम से इलाज मिलता, उन्हें वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की सुविधाएं मिल जातीं। जिसके चलते आज लोगों की मौत हो रही है।

डॉ. प्रसन्नसिम्हा कहते हैं कि अगर अब तक आपने बुजुर्गों को वैक्सीन नहीं लगवाई है तो अब उन पर ज्यादा खतरा है। इसलिए ऐसे बुजुर्गों को तुरंत आइसोलेट कर दें। जितना जल्दी से जल्दी हो उनके वैक्सीनेशन का इंतजाम करें। इसके अलावा सुरक्षा के लिए घर में भी मास्क पहनें। उन्होंने बताया कि प्लाज्मा के लिए भी लोगों को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। अभी तक कोई ऐसी स्टडी रिपोर्ट सामने नहीं आई है जिसमें प्लाज्मा थेरेपी को असरदार बताया गया है।

शिमला। शिक्षण संस्थान 10 मई तक बंद, सामुदायिक भोज पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में उपयोग के लिए रेलवे ने 22 अतिरिक्त कोविड केयर कोच तैनात किए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेल मंत्रालय ने कोविड के खिलाफ एकजुट लड़ाई में राष्ट्र की क्षमताओं को मजबूत करते हुए अपनी बहु-आयामी पहलों के बीच करीब 64,000 बेड साथ लगभग 4,000 आइसोलेशन कोचों को तैनात किया है। राज्यों के साथ साझा रूप से काम करने और यथासंभव सामंजस्यपूर्ण जल्द कार्यवाही के लिए एक आदेश को लेकर अपने समझौता ज्ञापन को पूरा करने के लिए रेलवे ने जोनों और डिवीजनों को सशक्त बनाने की एक विकेंद्रीकृत कार्य योजना तैयार की है। इन आइसोलेशन कोचों को आसानी से स्थानांतरित और भारतीय रेल नेटवर्क पर मांग के स्थानों पर इन्हें तैनात किया जा सकता है। वहीं राज्यों की मांग के अनुसार वर्तमान में कोविड मरीजों की देखभाल के लिए विभिन्न राज्यों को 2990 बेड की क्षमता के साथ 191 कोच सौंपे गए हैं। मौजूदा समय में आइसोलेशन कोचों का इस्तेमाल दिल्ली, महाराष्ट्र (अजनी आईसीडी, नांदरूबार), मध्य प्रदेश (इंदौर के करीब तीही) में किया जा रहा है। रेलवे ने उत्तर प्रदेश के बड़े शहरों जैसे; फैजाबाद, भदोही, वाराणसी, बरेली और नजीबाबाद में भी 50 कोच लगाए हैं।

वर्तमान में महाराष्ट्र के नांदरूबार में 58 मरीज इस सुविधा का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब तक राज्य स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा मरीजों के डिस्चार्ज के साथ कुल 85 भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। अभी भी 330 बेड उपलब्ध हैं। रेलवे ने दिल्ली में 1200 बिस्तरों की क्षमता के साथ 75 कोविड केयर कोचों की राज्य सरकार की मांग को पूरा किया है। इनमें से 50 कोच शकूरबस्ती और 25 कोच आनंद विहार स्टेशन पर तैनात हैं। अब तक इनमें 5 भर्ती पंजीकृत किए गए हैं। 1196 बेड अभी भी उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा 2 कोचों की मांग के संबंध में पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन ने इंदौर के पास तीही स्टेशन पर 320 बेड की क्षमता वाले 22 कोच तैनात किए हैं। वहीं भोपाल में 20 कोच तैनात किए गए हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार एक डिस्चार्ज के साथ इनमें 13 मरीजों को भर्ती किया गया। इनमें अभी 280 बेड उपलब्ध हैं। राज्यों में कुल मिलाकर 103 मरीजों को भर्ती किया गया। इनमें से 39 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। वर्तमान में 64 कोविड मरीज इन आइसोलेशन कोचों का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा अब तक कोचों की मांग नहीं की गई है, फैजाबाद, भदोही, वाराणसी, बरेली और नजीबाबाद में कुल 800 बिस्तरों (50 कोच) की क्षमता के साथ प्रत्येक स्थान में 10 कोच रखे गए हैं।

पीएम मोदी से मिले सेना प्रमुख नरवणे, कोरोना महामारी प्रबंधन में सेना के कदमों की दी जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को कोविड-19 प्रबंधन को लेकर सेना की ओर से उठाए गए कदमों और अन्य तैयारियों की समीक्षा की। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर कोरोना महामारी के प्रबंधन को लेकर सेना द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक नरवणे ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि विभिन्न राज्य सरकारों को सेना के चिकित्साकर्मी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में सेना की ओर से अस्थाई अस्पतालों का निर्माण भी किया जा रहा है। जनरल नरवणे ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि जहां संभव हो रहा है, वहां सेना के अस्पतालों को आम जनता की सेवा में इस्तेमाल किया जा रहा है। आम नागरिक जरूरत पड़ने पर निकटवर्ती सेना के अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं। जनरल नरवणे ने कहा कि लोगों की जान बचाने में भारतीय सेना के जवानों ने अपनी ताकत झोंक दी है। सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया कि आयात किए गए ऑक्सीजन टैंकरों और गाडिों के प्रबंधन में भी सेना का श्रमबल पूरा सहयोग कर रहा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने, देश में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के मद्देनजर, सीडीएस जनरल बिपिन रावत और वायुसेना अध्यक्ष आरकेएस भदौरिया से मुलाकात कर सेना के विभिन्न अंगों द्वारा इस महामारी से बचाव के मद्देनजर उठाए गए कदमों का जायजा लिया था।

कंगना अपने पैसों से ऑक्सीजन खरीदे और लोगों में बांटे

मुंबई, (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर ने देश को बुरी तरह से प्रभावित किया है। हर दिन कोरोना के नए मरीजों और इससे होने वाली मौतों की संख्या में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। लगातार बढ़ते मरीजों के आंकड़ों के चलते देश में स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है। मरीजों को बेड्स, ऑक्सीजन, इंजेक्शन और दवाइयों की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। अब हाल ही में राखी सावंत ने हर मुद्दे पर बोलने वाली कंगना रनोट पर तंज कसा है। राखी ने कहा है कि कंगना के पास करोड़ों रुपए हैं, उन्हें आगे आकर ऐसे मुश्किल समय में देश की सेवा और लोगों की मदद करनी चाहिए। दरअसल, राखी सावंत बुधवार को मुंबई में स्पॉट हुई थीं।

इस दौरान एक फोटोग्राफर ने राखी से पूछा कि कंगना ने हाल ही में कहा था कि भारत की स्थिति अच्छी नहीं है और मरीजों के लिए ऑक्सीजन की अनुपलब्धता के बारे में भी बात कही थी, इस पर वे क्या बोलना चाहेंगी। फोटोग्राफर के इस सवाल पर राखी ने जवाब देते हुए कहा, ऑक्सीजन नहीं मिल रहा ओह हो, कंगना जी आप देश की सेवा कीजिए न, प्लीज। इतने करोड़ों रुपए आपके पास हैं। ऑक्सीजन खरीदिए और लोगों में बांटिए। हम तो यही कर रहे हैं। राखी का यह कहते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट भ्रामक : केन्द्र सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोरोना के लगातार बढ़ते केस और हालात पर काबू नहीं पाने की वजह से केंद्र सरकार लोगों के निशाने पर है। इसी के मद्देनजर केंद्र के कहने पर फेसबुक से विवादित हैशटैग हटाने से जुड़ी अमेरिका मीडिया वॉल स्ट्रीट जरनल की रिपोर्ट का सरकार ने खंडन किया है। सरकार ने कहा कि पोर्टल की रिपोर्ट पूरी तरह से भ्रामक है और गलत इरादे से पेश की गई है। सरकार ने ऐसे किसी भी हैशटैग को हटाने के लिए निर्देश जारी नहीं किए थे। वहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक ने भी माना है कि उससे गलती से यह हैशटैग रिमूव हो गया था, जिसे बाद में रीस्टोर भी कर दिया गया।

देश में कोरोना के हालात के बीच सरकार की लाचारी पर सोशल मीडिया के जरिए लोग अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर रिजाइनमोदी हैशटैग चलाया गया। इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की गई। इस ट्रेंड को अचानक ही 28 अप्रैल को फेसबुक ने ब्लॉक कर दिया।

पश्चिम बंगाल में अंतिम चरणों का मतदान शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले लगे इस ब्लॉक पर विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ता देख फेसबुक ने कुछ घंटों बाद उस हैशटैग को दोबारा रीस्टोर कर दिया। इसी से जुड़ी रिपोर्ट में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया था कि इसे सरकार के निर्देश के बाद हटाया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की प्रवक्ता ने इस बारे में बताया कि हैशटैग को गलती से ब्लॉक कर दिया गया था।

साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि भारत सरकार के कहने पर यह कदम नहीं उठाया गया और न ही उनके कहने पर इसे दोबारा रीस्टोर किया गया। फेसबुक ने इसे महज एक गलती करार दिया है। उन्होंने बताया कि फेसबुक कई कारणों से हैशटैग को समय-समय पर ब्लॉक करता है, कुछ मैनुअली ब्लॉक किए जाते हैं तो ज्यादातर ऑटोमैटिक इंटरनल गाइडलाइन्स के आधार पर ब्लॉक होते हैं। यह गलती उस लेबल के साथ जुड़े कंटेंट की वजह से हुई, हैशटैग की वजह से नहीं।

जैन धर्म की दीक्षा लेकर संन्यासी बने रिलायंस में उपाध्यक्ष रहे प्रकाश शाह

मुंबई, (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष जैसे वरिष्ठ पद पर रह चुके प्रकाश शाह ने एक जैन मुनि से दीक्षा ले ली है और संन्यासी बन गए हैं। शाह पिछले साल ही रिलायंस के उपाध्यक्ष पद से रिटायर हुए थे।

पिछले सप्ताह मुंबई में शाह ने अपनी पत्नी नैना के साथ जैन धर्म के अनुसार दीक्षा ले ली। प्रकाश शाह रिलायंस में करीब एक दशक के करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उन्होंने कंपनी में वरिष्ठ पदों पर बहुत अच्छी सेलरी पर काम किया। इसी दौरान उनके मन में जीवन के प्रति वैराग्य हो गया और उन्होंने दुनियादारी छोड़कर साधु बनने का निर्णय ले लिया। अब वह सादा कपड़े पहनेंगे और भिक्षा में मिले भोजन पर गुजारा करेंगे।

प्रकाश ने करीब 40 साल पहले आईआईटी बॉम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग से पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। रिलायंस के जामनगर पेटकोक गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट को चालू कराने में उनकी अहम भूमिका रही थी। उनकी पत्नी नैना कॉमर्स में ग्रेजुएट हैं। रिटायरमेंट के बाद ही प्रकाश ने इच्छा जाहिर की थी कि वह दीक्षा लेना चाहते हैं। कोरोना संकट की वजह से उन्हें अपनी योजना एक साल के लिए टालनी पड़ी। शाह का एक बेटा सात साल पहले ही जैन धर्म की दीक्षा ले चुका है। उसने भी आईआईटी बॉम्बे से ग्रेजुएशन किया है। शाह के दूसरे पुत्र गृहस्थ जीवन में हैं और उसकी एक संतान है।

भारतीय खगोलविदों को मिला सुपरनोवा के विस्फोट तंत्र, जोकि ब्रह्मांड संबंधी दूरियों की प्रमुख माप है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वर्ष 2011 में, सुदूर स्थित सुपरनोवा के अवलोकनों के जरिए ब्रह्मांड के अभूतपूर्व तेज गति से फैलने के बारे में पता लगाने के लिए तीन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया था। लेकिन अब भारतीय खगोलविदों की एक टीम ने इस तरह के सुपरनोवा का अवलोकन करके ऐसे सुपरनोवा के विस्फोट के संभावित तंत्र के बारे में पता लगाया है, जोकि ब्रह्मांड संबंधी दूरियों की प्रमुख माप की जानकारी प्रदान करते हैं। एसएन 2017एचपीए नाम के एक सुपरनोवा, जोकि एक विशेष प्रकार का सुपरनोवा है और जिसे आई ए सुपरनोवा कहा जाता है और जिसमें 2017 में विस्फोट हो गया, के बारे में इन खगोलविदों के विस्तृत अध्ययन ने शुरूआती चरण के स्पेक्ट्रा में बिना जले हुए कार्बन के अवलोकनों के जरिए सुपरनोवा के विस्फोट तंत्र के बारे में पता लगाने में मदद की। सुपरनोवा के रूप में एक तारे की विस्फोटक अंत ब्रह्मांड की सबसे विलक्षण और भयावह घटनाओं में से एक है।

टाइप आई ए सुपरनोवा उन व्हाइट ड्वार्फ के विस्फोटों का नतीजा हैं जो अपना द्रव्यमान पदार्थ के उपचय के जरिए चंद्रशेखर सीमा से अधिक कर लेते हैं। उनकी समांगी प्रकृति उन्हें ब्रह्मांड की दूरी को मापने का उत्कृष्ट मानक कैंडल बनाती है। हालांकि विस्फोट तंत्र, जो इन सुपरनोवा (एसएनई) का निर्माण करते हैं, और उनके पूर्वज प्रणाली (तारे जो सुपरनोवा परिघटना के मूल में है) की सटीक प्रकृति को अभी भी स्पष्ट रूप से समझा नहीं जा सका है। यों तो ज्यादातर एसएनईआईए समांगी हैं, इन परिघटनाओं का एक खासा अंश उनके प्रकाश वक्र के साथ झ साथ उनके वर्णक्रमीय गुणों, दोनों, में विविधता दिखाते हैं। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स में पीएचडी के छात्र अनिर्बन दत्ता द्वारा अपने सहयोगियों के साथ इस संबंध में किया गया शोध हाल ही में मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी (एमएनआरएएस) नाम की पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। यह शोध सुपरनोवा की पूर्वज प्रणाली के एक कार्य के साथ-साथ इसके गुणों और इस तरह के सुपरनोवा के विस्फोट तंत्र के रूप में इस विविधता को समझने में मदद करेगा।

बाराबंकी। पिकअप पलटने से दो जख्मी।

महामारी की वजह से चार धाम यात्रा स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने चारधाम यात्रा को स्थगित कर दिया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने इस मामले पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई थी। इसमें पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी मौजूद थे। बैठक में कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए इस साल की चारधाम यात्रा को स्थगित करने का फैसला लिया गया। आपको बता दें कि हेमकुंड साहिब की धार्मिक यात्रा पहले भी स्थगित हो चुकी है। हालांकि मंदिरों के कपाट अपने तय समय पर ही खोले जाएंगे। मंदिरों में पूर्जा-अर्चना भी होगी, लेकिन किसी भी श्रद्धालु को दर्शन करने की अनुमति नहीं होगी। मई महीने में चारों धामों गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने हैं। उत्तरकाशी जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट 15 मई को खुलेंगे। पवित्र धाम के कपाट खोलने के लिए 14 मई को अपने शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव से सुबह 11:45 बजे मां गंगा की उत्सव डोली गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी।

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट 17 मई को भक्तों के लिए खोले जाएंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खोलने के लिए भगवान भैरवनाथ की 13 मई को पूजा-अर्चना की जाएगी। बाबा केदार की चल विग्रह डोली पहले ऊखीमठ से प्रस्थान कर 14 मई को फाटा विश्राम के लिए पहुंचेगी। ये 15 मई को गौरीकुंड और 16 मई को केदारनाथ धाम पहुंचेगी, जहां 17 मई को सुबह पांच बजे भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। उत्तराखंड के गढवाल हिमालय में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए इस साल 18 मई को खुलेंगे। जबकि, यमुनोत्री धाम के कपाट 14 मई को खोले जाएंगे।

मेरठ में ऑक्सीजन के लिए काफी संघर्ष कर रहे लोग

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में ऑक्सीजन के लिए लोगों को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। लोग गैस गोदाम के बाहर ऑक्सीजन लेने के लिए लोगों की लंबी कतार खड़े है, लेकिन कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। ऐसे में पंक्तियों में रो-रोकर बुरा हाल है और एक सिलेंडर के लिए गुहार लगा रहे हैं। लाइन में खड़े एक व्यक्ति ने बताया कि उनके परिजन का घर में ही इलाज चल रहा है, डॉक्टर से वो लिखवाकर भी लाए हैं लेकिन ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। एक तरफ ऑक्सीजन के लिए लोग तड़प रहे हैं, दूसरी ओर नॉडल ऑफिसर का कहना है कि अस्पतालों में भरपूर गैस उपलब्ध है, लेकिन ऑक्सीजन की कालाबाजारी को रोकने के लिए किसी को व्यक्तिगत रूप से सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। वहीं, कई लोग अपने परिजनों के लिए दिल्ली से ऑक्सीजन भरवाकर ला रहे हैं। मेरठ के परतापुर फ्लाईओवर पर दो लोग दोपहिया वाहन पर ही ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि मेरठ के अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है, ऐसे में वो दिल्ली से सिलेंडर भरवाकर लाए हैं, ताकि अपने रिश्तेदार को दे सकें। दरअसल, मेरठ से ऐसी कई रिपोर्ट्स सामने आ गई हैं, जहां ऑक्सीजन की किल्लत हो रही है। अस्पताल भी ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं और जिनका इलाज घर पर चल रहा है, उन्हें भी कोई मदद नहीं मिल पा रही है। मेरठ में इस वक्त कोरोना के 12 हजार से ज्यादा केस एक्टिव हैं, जबकि करीब 500 लोगों की मौत हो चुकी है।

मालदीव से वापस लौटीं जाह्नवी कपूर

वैकेशन की तस्वीरें पोस्ट कर आखिर क्यों लिखा

‘आई एम सॉरी’

जाह्नवी कपूर मालदीव से वापस लौट आई हैं। उन्हें बीती रात को अपनी ट्रेनर नम्रता पुरोहित के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इससे पहले वो मालदीव में सारा अली खान के साथ वर्कआउट करती दिखी थीं उनका वो वीडियो काफी वायरल हुआ था। जाह्नवी ने अपने इंस्टाग्राम पर मालदीव वैकेशन की कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में जान्हवी समंदर के किनारे खड़ी हैं और वो सूरज को निहार रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वो बैठी हुई हैं और कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रही हैं। जाह्नवी ने इस दौरान व्हाइट कलर का क्रॉप टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहने हुए हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा चौड़ा नोट लिखा और माफी मांगी है। आखिर उन्होंने ये माफी क्यों मांगी आगे बताते हैं।

सोशल मीडिया पर मांगी माफी

जाह्नवी लिखती हैं कि ‘मुझे माफ करिए, आपने हमें इतना दिया लेकिन मैं उसकी कद्र नहीं कर पाए। मुझे माफ करिए हर उस सेकेंड के लिए, जब आपकी इतनी खूबसूरती को भूल गए।’ जान्हवी आगे लिखती हैं कि ‘आप कभी भी उस धैर्य से पीछे नहीं हटी, आपने इंतजार किया कि हम देखभाल करेंगे, माफ करिए।’ दरअसल जाह्नवी ने यह पोस्ट वर्ल्ड अर्थ डे को समर्पित किया है। जिसमें वो प्रकृति को शुक्रिया कर रही हैं।

जाह्नवी की आने वाली फिल्में

जाह्नवी की बात करें तो उनकी फिल्म ‘रूही’ कुछ समय पहले रिलीज हुई थी। फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव और वरुण शर्मा थे। इसके अलावा जाह्नवी फिल्म ‘गुड लक जेरी’ और ‘दोस्ताना 2’ में काम कर रही हैं।

सारा के साथ दिखी बॉन्डिंग

सारा ने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें वो जाह्नवी कपूर के साथ स्विमिंग पूल के किनारे हैं और वर्कआउट कर रही हैं। उनके साथ उनकी ट्रेनर नम्रता पुरोहित भी हैं। जो दोनों पर निगरानी रखे हुए हैं। सारा और जान्हवी साथ में कई तरह की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं। इस दौरान दोनों एक दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराती भी हैं। सारा ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा– ‘इसी तरह आपको गोल्डन ग्लो मिलेगा।’

सोनाक्षी सिन्हा ने फिर दिखाया अपना ट्रांसफॉर्मेशन लुक

फोटो में दबंग गर्ल को पहचान पाना हुआ मुश्किल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी से अपनी एक फोटो शेयर की है। जिसमें उनका गजब का ट्रांसफॉर्मेशन दिख रहा है। फोटो में सोनाक्षी को पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। उनकी ये फोटो सोशल मीडिया पर अब वायरल हो चुकी है।

शानदार है सोनाक्षी का ट्रांसफॉर्मेशन

- अब एक्ट्रेस की फोटो में उनके लुक की बात करें तो आप देख सकते हैं कि खुले बालों में अपना बैक साइड फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं। वह स्पोर्ट आउटफिट में पिंक मैट पर खड़ी होकर सूर्य नमस्कार योग कर रही हैं।
- फोटो में लोग उनकी कर्वी फिगर को देखकर कंफ्यूज्ड है कि ये सोनाक्षी सिंहा हैं या कोई और। सोनाक्षी का ट्रांसफॉर्मेशन वाकई में शानदार लग रहा है। सोनाक्षी की ये लेटेस्ट तस्वीरों से साफ जाहिर होतो है कि वह घर पर रहकर ही अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रही हैं।
- अंगूरी भाभी उर्फ शुभांगी अत्रे को मिला बिग बॉस 15 और नच बलिए 10 का ऑफर, इन रियलिटी शोज को लेकर बोली ये बड़ी बात

इन फोटोज में दिखा सोनाक्षी का ट्रांसफॉर्मेशन

इससे पहले भी उन्होंने एक फोटो शेयर की थी, जो लोगों द्वारा काफी पसंद की गई थी। वह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब आपके लिए ..... का मतलब वर्कआउट फॉम होम। इस पोस्ट में सोनाक्षी ने अपनी दो तस्वीरें साझा की थीं। एक तस्वीर में वो पोज देती नजर आई थीं तो वहीं दूसरी तस्वीर में वर्कआउट करती करते दिखीं थी।

सोनाक्षी की अपकमिंग फिल्में

अब एक्ट्रेस की प्रोफेशनल वर्क की बात करें तो सोनाक्षी को जल्द ही अजय देवगन के संग फिल्म भुज-द प्राइड ऑफ इंडिया में देखा जाएगा। इस फिल्म में संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। साथ ही सोनाक्षी अमेज़न पर फॉलेन नाम की सीरीज में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में वह एक पुलिस अफसर रोल में दिखेंगी।

एक और मुसीबत

पिता की मौत के 6 दिन बाद हिना खान की कोरोना रिपोर्ट आई पॉजिटिव

टीम हिना ने सोशल मीडिया पर शेयर किया

पिछले मंगलवार को हिना खान के पिता असलम खान का निधन हो गया था। कार्डियक अरेस्ट उनकी मौत की वजह बनीं। लेकिन उस वक्त हिना खान उनके पास नहीं थीं। वे कश्मीर में शूटिंग कर रही थीं। अब 6 दिन बाद सोशल मीडिया पर टीम हिना ने शेयर किया है कि उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

टेस्ट करवाने की अपील की

हिना ने लिखा– मेरे और मेरे परिवार के लिए इस बेहद मुश्किल और चुनौती भरे वक्त के बीच मैं कोरोना वायरस पॉजिटिव हो गई हूं। अपने डॉक्टर्स के निर्देशों का पालन कर रही हूं और सभी प्रिकॉशन लेते हुए मैंने खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। मैं अपने संपर्क में आए सभी लोगों से अपील करती हूं कि वे अपना टेस्ट करवाएं। मुझे आप सब की दुआओं की जरूरत है। सुरक्षित रहें और ध्यान रखें।

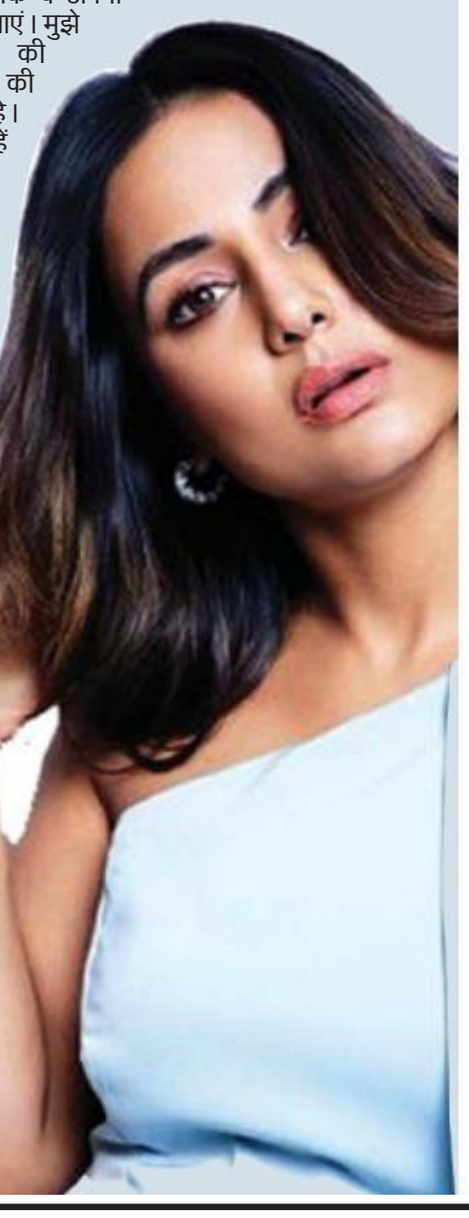

खुद हिना ने दी थी जानकारी

इससे पहले हिना खान ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था, मेरे प्यारे पिता असलम खान 20 अप्रैल 2021 को हम सब को छोड़कर जन्नत में चले गए। इस मुश्किल समय में मेरे और मेरी फैमिली के साथ खड़े रहने के लिए मैं आप सभी की आभारी हूं। मैं और मेरी फैमिली शोक में डुबे हुए हैं। ऐसे में मेरे सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स अब मेरी टीम ही हैंडल करेगी और आपको मेरे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में अपडेट देती रहेगी। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए सभी का शुक्रिया। पिता के निधन के बाद हिना की यह पहली पोस्ट थी।

फिल्म में तापसी पन्नू तीन अलग-अलग लुक में आएंगी नजर

कैरेक्टर की बॉडी लैंग्वेज में जाने के लिए 5 से 6 घंटे करती थीं ट्रेनिंग

तापसी पन्नू की झोली फिल्मों से भरी हुई है। आलम यह है कि एक ही टाइमफ्रेम में उनकी दो स्पोर्ट्स जॉनर की फिल्में आ रही हैं। एक क्रिकेट को लेकर शाबाश मिथु और दूसरी बतौर धावक रश्मि रॉकेट है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया, रश्मि रॉकेट में तापसी का किरदार गुजरात के कच्छ के दूर दराज के इलाके से है। वह कच्छ के रण की रनर हैं। उसे ऑथेंटिक दिखाने के लिए तापसी ने कच्छ के अंगिया में मॉडिफिकेशन करवाया। वहां की युवतियां जो अंगिया पहनती हैं, उन्हीं में थोड़ी तब्दीली कर सलवार कमीज बनवाया गया और उस कॉस्ट्यूम में रनिंग के शॉट्स दिए। कॉस्ट्यूम की खोज में प्रोडक्शन की टीम कच्छ के पास भुजौरी गई। वहां के लोकल आर्टिस्टों कच्छ की फैब्रिक और ज्वेलरी को बनवाया गया।

जनवरी में पूरी हो चुकी है रश्मि रॉकेट की शूटिंग

रश्मि रॉकेट की शूटिंग तो जनवरी में ही पूरी हो चुकी है। पूरी फिल्म में तापसी तीन अलग लुक में नजर आएंगी। पहला लुक कच्छ के रण से ताल्लुक रखने वाली युवती का है। फिर नेशनल लेवेल पर उनका सेलेक्शन होता है। वहां ज्यादा एक्सोपजर मिलता है, तो लुक बदलता है। तीसरा लुक उनके उस स्टेज से है, जब वो दुनियाभर में ट्रैवल करती हैं। स्टेट, नेशनल और इंटरनेशनल लेवेल पर जो स्पोर्ट्स के किट्स में बदलाव आता जाता है, उसमें डिजाइनिंग की गई है।

फिल्म की शूटिंग देश के 4 से 5 अलग शहरों में हुई

तापसी के करीबियों ने बताया, फिल्म की शूटिंग देश के चार से पांच अलग शहरों में हुई है। अहम सीन मुंबई, पुणे, रांची और कच्छ के रण में फिल्माए गए। प्रोडक्शन और कॉस्ट्यूम की टीम तारीफ के काबिल है, जो उन्होंने मीडियम बजट में भी फिल्म को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। एक ग्रैंड लुकिंग फिल्म बनाने की कोशिश की गई है।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई पर मसीहा

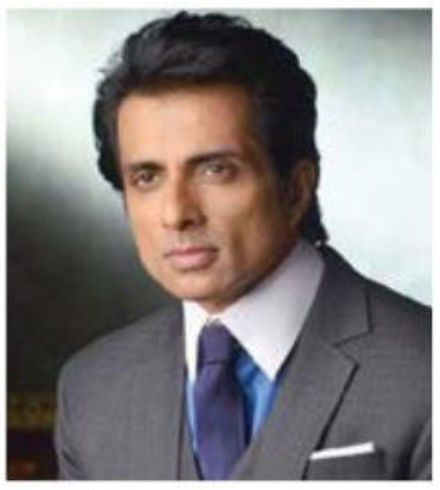

सोनू सूद बोले-हमें लोगों की मदद की पेशकश करने के लिए कई सिलेब्रिटीज और प्रभावशाली व्यक्तियों की जरूरत

कोरोना का काल में कई तरह से जरूरतमंदों की मदद कर एक्टर सोनू सूद लोगों के लिए मसीहा बन गए हैं। उनके नेक काम अभी भी लगातार जारी हैं। कोरोना की दूसरी लहर में भी वे लोगों के लिए हॉस्पिटल बेड्स, इंजेक्शन, मेडिसिन और ऑक्सिजन का इंतजाम कर इस मुश्किल समय में उनकी मदद कर रहे हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि कोरोना से इस लड़ाई में हमारा साथ देने के लिए कई सिलेब्रिटीज और प्रभावशाली व्यक्तियों को आगे आकर लोगों की मदद करने की पेशकश करनी चाहिए।

मदद करने के इच्छुक लोगों को साथ लाने का प्रयास जारी

सोनू सूद ने कहा, 24×7 में फोन पर हूं और इस महामारी की व्यापकता का सामना करने की कोशिश कर रहा हूं। जरूरतमंद लोगों को हॉस्पिटल बेड्स, इंजेक्शन, मेडिसिन और ऑक्सिजन का इंतजाम कराने की कोशिश भी की जा रही है। मुझे पता है कि देश भर के लोग परेशान हैं और अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए सही चैनल खोजने की कोशिश कर रहे हैं। जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने के लिए हम मदद करने के इच्छुक लोगों को साथ लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा को भाया इस एक्ट्रेस का स्टाइल

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मलाइका अक्सर अपनी फिटनेस के साथ ही अपने स्टाइल स्टेटमेंट से भी सभी का दिल जीत लेती हैं। वहीं मलाइका को स्टाइल से इम्प्रेस करना भी आसान नहीं माना जाता है, हालांकि एक अभिनेत्री के स्टाइल से मलाइका काफी इम्प्रेस हैं।

जैंडेया का रेड कार्पेट लुक

दरअसल 2021 के ऑस्कर में अपने रेड कार्पेट लुक के साथ जैंडेया ने मलाइका अरोड़ा का ध्यान आकर्षित किया। मलाइका ने जैंडेया की फोटो को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। जैंडेया की फोटो को शेयर करते हुए मलाइका ने लिखा, सबसे अधिक स्टाइलिश।

मलाइका का फिट अंदाज

बता दें कि मलाइका को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना लगभग नामुमकिन होता है। मलाइका अपने आप को फिट रखने के लिए खूब मेहनत भी करती हैं। मलाइका अक्सर जिम के बाद पैपराजी के कैमरों में कैद होती हैं। हालांकि इन दिनों कोविड के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है।

सोशल मीडिया पर दे रहीं फिटनेस टिप्स

गौरतलब है कि मलाइका आज कल सोशल मीडिया पर अपने छोटे छोटे वीडियोज शेयर करते हुए फिटनेस टिप्स दे रही हैं। मलाइका जिम के साथ ही योगा और पिलाटे भी करती हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर मलाइका अलग अलग योग बताती हैं और साथ ही उनके फायदे भी। मलाइका के इन वीडियोज को फैन्स पसंद करते हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब किंग्स का मुकाबला

अहमदाबाद, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14 वें सत्र में शुक्रवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से होगा। आईपीएल के इस सत्र में अब तक पंजाव की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे मुकाबले में बने रहने के लिए जीत दर्ज करना जरुरी है। पिछले मैच में पंजाव को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ हुए मुकाबले में हार झेलनी पड़ी भी। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के खिलाफ यह मैच जीतना आसान नहीं रहेगा। पंजाब को अब तक खेले गये छह मुकाबलों में से चार में जीत मिली है और दो मैच में जीत के साथ उसके चार हैं और वह छठे स्थान पर है। वहीं दूसरी और कप्तान विराट कोहली की आरसीबी टीम को पांच मैचों में जीत के साथ ही दस अंक मिले हैं और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है। आरसीबी की बल्लेबाजी और गेंदबाजी भी पंजाब से बेहतर नजर आती है। इसके साथ ही उसके सभी खिलाड़ी लय में हैं। आरसीबी को इस सत्र में केवल एक मैच में सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार वह खिताबी दौड़ में प्रबल प्रतियोगी बनकर उभर है। वहीं पंजाब की टीम इस सत्र में नये नाम और जर्सी के साथ उतरी है पर उसके खिलाड़ियों के प्रदर्शन में इसका प्रभाव नहीं देखा गया। टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अबतक निराश किया है।।

अपने छह मैचों में लोकेश राहुल की पंजाब टीम शुरूआती तीन मैचों में पहले बल्लेबाजी करते हुए एक बार भी डेढ़ सौ रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। टीम की बल्लेबाजी राहुल पर ही निर्भर रही है। इसलिए आरसीबी के खिलाफ भी टीम को राहुल से बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अब तक अच्छी पारी नहीं खेल पाये हैं, विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल भी नाकाम रहे हैं। वह छह मैचों में से केवल दो में ही रन बना पाये हैं। निकोलस पूरण ने भी निराश किया है। वह पांच मैचों में केवल 28 रन बना पाये हैं। तीन पारियों में तो पूरण शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। ऐसे में टीम उनके स्थान पर बल्लेबाज डेविड मलान को अंतिम ग्यारह में उतार सकती है। पंजाब की गेंदबाजी में वैसी धार नहीं दिखती जो टी20 में जीत के लिए जरुरी है।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक पंजाव की टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे मुकाबले में बने रहने के लिए जीत दर्ज करना जरुरी है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उसके गेंदबाज 195 रनों के लक्ष्य को भी नहीं बचा पाये। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उसने 221 रन के बाद भी जीत के लिए जमकर पसीना बहाया था। वहीं आरसीबी की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुएरोमांचक मुकाबले में उसके बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने शानदार बल्लेबाजी की थी। इस मैच में गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी की बल्लेबाजी कप्तान विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, डिविलियर्स और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर टिकी हुई है। इन चारों ने अबतक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई है। युवा रजत पाटीदार और काइल जैमीसन भी निचले क्रम में रन बना सकते हैं।

आरसीबी के पास अच्छे गेंदबाज भी हैं। हर्षल पटेल मोहम्मद सिराज ने पिछले मैच में आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत और शिमरोन हेटमायर पर अंकुश लगाये रखा था।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं।

पंजाब किंग्स : लोकेश राहुल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रबसिमरन सिंह, निकोलस पूरण, सरफराज खान, दीपक हुड्डा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बराड़, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, ईशान पोरेल, दर्शन नालकंडे, क्रिस जॉर्डन, डाविड मलान, झॉय रिचर्डसन, शाहरुख खान, रिले मेरेडिथ, मोइसेस हेनरिक्स, जलज सक्सेना, उत्कर्ष सिंह, फैबियन एलन, सौरभ कुमार।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: विराट कोहली (कप्तान), एबी डीविलियर्स, देवदत्त पडिक्कल, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, पवन देशपांडे, शाहबाज अहमद, एमएस वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, डेनियल सैम्स, हर्षल पटेल, ग्लेन मैक्सवेल, सचिन बेबी, रजत पाटीदार, मोहम्मद अजहरुद्दीन, काइल जैमीसन, डैन क्रिश्चियन, सुयश प्रभुदेसाई, केएस भरत, फिन एलन।

म्यूनिख में एटीपी टेनिस मुकाबले में रिटर्न शॉट खेलते हुए नार्वे के केस्पर राउड।

फ्लेमिंग ने सीएसके के बेहतर प्रदर्शन का कारण बताया

नईदिल्ली, (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) क्रिकेट टीम के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि अपने रवैये में बदलाव के कारण उनकी टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस 14 वें सत्र में बेहतर हुआ है। पिछले बार आईपीएल के प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी सीएसके की टीम ने इस साल शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक छह मैचों में से पांच में जीत दर्ज की है। इस प्रकार वह अंकतालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। उसने अपने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था। फ्लेमिंग ने कहा, यूएई में पिछला आईपीएल हमारे लिये अच्छा नहीं रहा। हमने काफी मैच हारे थे।। वहीं इस बार टीम ने अपने रवैये में बदलाव किया जिसका लाभ उसे मिला है। उन्होंने कहा, हम जो कर रहे थे उसके प्रति हमने अपने रवैये में कुछ बदलाव किये और इसके बाद हम तय थे कि इस वर्ष आईपीएल में हम किस शैली की क्रिकेट खेलेंगे। फ्लेमिंग ने कहा, हमें आक्रामक तरीके से खेलने की जरूरत है। यदि हम चेन्नई में नहीं खेल रहे हैं तो हमें अपने खेल में हालातों के अनुरूप ढालने की जरुरत है और हम ऐसा ही प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले सत्र में उनकी फ्रेंचाइजी को कुछ सबक मिले थे। फ्लेमिंग ने कहा, जब खेल नहीं हो रहा था तब हम ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहे थे जो फिट हों और कहीं भी बेहतर तरीके से अपनी भूमिका निभा सकें। इससे टीम में बदलाव आया है। फ्लेमिंग ने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चोटिल होने के बाद भी शानदार वापसी की है।

महामारी के कारण आईपीएल बंद करना कोई हल नहीं : कमिंस

अहमदाबाद, (एजेंसी)। कोरोना महामारी के बीच ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन पर भी सवाल उठे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि आईपीएल को बंद कर देना चाहिये जबकि कुछ का मानना है कि यह जारी रहना चाहिये क्योंकि इससे कठिन समय में भी लोगों को खुशी का अवसर मिल रहा है।

वहीं आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण भारत में हालात बेहद खराब हैं पर इसके कारण आईपीएल को बंद करना कोई हल नहीं है। हाल ही में एडम जंपा सहित कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कोरोना संक्रमण के डर से आईपीएल छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं पर कमिंस का रुख इस मामले में अलग है। कमिंस ने महामारी के खिलाफ जारी अभियान में 50 हजार की राशि भी दान में दी है।

कमिंस ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि महामारी के कारण आईपीएल को रोकना सही कदम होगा। हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि हम लोगों के किसी तरह के संसाधन का इस्तेमाल नहीं करें। मुझे नहीं लगता कि यह कोई जवाब है। कमिंस ने कहा कि प्रत्येक रात तीन से चार घंटे खेलने से उम्मीद है कि लोगों को घर में रखने में सहायत ही मिलेगी। इस प्रकार उन लोगों को लाभ होगा जिनकी दिनचर्या काफी कठिन है और खेल के जरिये हम अप्रत्यक्ष रुप से प्रत्येक दिन उनकी सहायता कर पायेंगे।

आईसीसी मैच रैफरी मदुगले ने पालेकल स्टेडियम की पिच को खराब बताया

दुबई, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मैच रैफरी रंजन मदुगले ने श्रीलंका के कैंडी शहर में स्थित पालेकल अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की पिच को औसत से अधिक खराब बताया है। इस स्टेडियम में हाल ही में करीब 1300 रन बने थे। आईसीसी की पिच एवं आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत अब इस स्थल को एक डिमेरिट (नकारात्मक) अंक दिया गया है।

इस मैदान पर बांग्लादेश ने पहली पारी में सात विकेट पर 541 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में दो विकेट पर 100 रन बनाए थे। वहीं श्रीलंकाई टीम को केवल एक बार ही बल्लेबाजी का अवसर मिला और उसने पहली पारी में आठ विकेट पर 648 रन बनाये जिसमें कप्तान दिमुथ करूणारत्ने का करियर का एक दोहरा शतक भी शामिल था। श्रीलंका के पूर्व कप्तान मदुगले ने कहा कि मैच के पांच दिन के दौरान पिच की प्रकृति में कोई बदलाव नहीं आया। खेल के आगे बढ़ने के साथ ही गेंद और बल्ले के बीच संतुलन नहीं बना।

उन्होंने कहा कि इस पिच से केवल बल्लेबाजों को ही सहायता मिली। इस मैच में 75.82 के औसत से 1289 रन बने जो काफी अधिक औसत है। इसलिए मैं आईसीसी के दिशानिदेर्शों के अनुसार इस पिच को औसत से खराब रेटिंग देता हूं। पिच और आउटफील्ड निगरानी के संशोधित नियमों के अनुसार औसत से खराब रेटिंग पाने वाली पिच के आयोजन स्थल को एक नकारात्मक अंक दिया जाता है जबकि खराब और अनफिट पिच वाले स्थलों को तीन और पांच डिमेरिट अंक दिए जाते हैं।

अगर किसी स्थल के पांच या इससे अधिक डिमेरिट अंक हो जाते हैं तो उसे 12 महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी से बाहर र दिया जाता है।

वार्नर ने हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी के कारण सबके निशाने पर हैं। वार्नर ने कहा, मैंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उसके लिए मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, यह वास्तव में धीमी पारी थी जिससे भी हमें नुकसान हुआ।

वार्नर ने कहा, आज मनीष पांडे ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह असाधारण थी। केन विलियमसन भी अपनी बल्लेबाजी से हमें एक सम्मानजनक स्कोर तक लेकर गए। विलियमसन ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें जब भी जिस भी क्रम पर भेजा जाये वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं। हमने 170 को जो स्कोर बनाया था उससे जीत दर्ज की जा सकती थी। इसलिए में टीम को मिली इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं हम पावरप्ले में विकेट नहीं ले सके जबकि इस तरह के विकेट पर वापसी के लिए विकेट मिलना जरुरी है। साथ ही कहा कि सीएके के सलामी बल्लेबाजों रुतुराज गायकवाड़ और फैफ डुप्लेसिस ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की जिससे मैच हमारे हाथ से निकल गया। वार्नर ने कहा कि अगर हमें इन दोनो के विकेट पहले मिल जाते तो मैच हमारे हाथ में आ जाता।

ओलंपिक तैयारियां सही दिशा में आगे बढ़ रहीं : मनदीप

बेंगलुरू, (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड मनदीप सिंह ने कहा है कि टीम आगामी टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों में लगी हुई है। मनदीप के अनुसार हाल के दिनों में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ जिस प्रकार का प्रदर्शन भारतीय टीम ने किया है। उससे उसका हौंसला बढ़ा है। टीम अब टोक्यो ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी के साथ जाएगी। भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दोनों मैचों में अर्जेंटीना को हराने के साथ ही चार अभ्यास मैचों में से दो में जीत दर्ज की थी। ये सभी मैच छह से 14 अप्रैल के बीच खेले गए थे। मनदीप ने कहा, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन निश्चित तौर पर हमारे लिये मनोबल बढ़ाने वाला रहा है। अभी तक हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमने जर्मनी और ब्रिटेन के खिलाफ भी बहुत अच्छा खेल दिखाया और इसके बाद अर्जेंटीना का दौरा भी अच्छा शानदार रहा। हमने अपने पिछले दो दौरों में अच्छी लय हासिल की तथा अब हम कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। अर्जेंटीना और यूरोप के दौरों में खिलाड़ियों के बीच आपसी

तालमेल टीम के लिये सबसे अहम रहा।

मनदीप ने कहा कि जब कोई टीम लंबे समय बाद खेलती है तो उसका तालमेल गड़बड़ा सकता है पर हमने बहुत जल्दी सामंजस्य बिठाया और एक टीम के रूप में लय हासिल की है। टीम अभी बहुत अच्छी तरह से तैयार लग रही है। अब हमें मूल बातों पर ध्यान देना होगा। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान आगामी ओलंपिक खेलों पर लगा हुआ है और टीम उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

ओलंपिक में पदक जीतने का पूरा प्रयास करेंगे : शरत कमल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि कोरोना महामारी के बीच ही टोक्यो ओलंपिक की तैयारियां करना आसान नहीं है। शरत ने हालांकि कहा है कि भारतीय खिलाड़ी इसके बाद भी अपनी ओर से पदक जीतने के पूरे प्रयास करेंगे।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक ऑनलाइन कार्यक्रम में शरत ने कहा, हालांकि यह ओलंपिक की तैयारियों के लिए सही तरीका नहीं है पर हमें महामारी के इस दौर में अपने प्रदर्शन पर ध्यान देने और उसके लिये तैयारी करने का रास्ता तलाशना होगा। हम अपने को बचाये रखकर अपना लक्ष्य हासिल करने का प्रयास कर सकते हैं।

अपने चौथे ओलंपिक की तैयारियों में लगे शरत ने कहा कि वह पिछले साल की तुलना में मानसिक तौर पर बेहतर स्थिति में हैं। पिछले साल भारत कोविड-19 की पहली लहर से प्रभावित रहा था। उन्होंने कहा, पिछले साल हम हर चीज से डरे हुए थे। हम केवल नकारात्मक चीजें सोच रहे थे। जब इतने अधिक लोग मर रहे थे तब मेरा खेल में मन नहीं लग रहा था। अब हमारे सामने एक लक्ष्य है और हमारा ध्यान उसे हासिल करने पर है। शरत ने कहा, महामारी को देखते हुए कोई स्पष्ट योजना तैयार करना आसान नहीं है और इसके अलावा प्रतिबंधों के कारण यात्रा करना भी कठिन है।

पेरिस में पीएसजी के चैम्पियंस लीग फुटबॉल में मोरक्योनो ने अपना पहला गोल दागा।

आईपीएल के बाद सभी क्रिकेट संघ कर सकेंगे अपनी क्रिकेट लीग का आयोजन : बीसीसीआई

दुबई, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद सभी क्रिकेट संघ अपनी-अपनी क्रिकेट लीग आयोजित कर सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने लीग के आयोजन को लेकर सभी राज्य क्रिकेट संघों को अनुमति दे दी है। बीसीसीआई के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हेमांग अमीन ने सभी राज्य क्रिकेट संघों से कहा है कि कोरोना महामारी के कारण बने हालातों को देखते हुए 15 दिन के कूलिंग ऑफ क्लॉज को हटा कर राज्य संघों को एक बार फिर टूनार्मेंट आयोजन की अनुमति दी जाती है। अमीन ने सभी राज्य संघों से कहा है कि बीसीसीआई आपको साल 2021 के लिए टूनार्मेंट आयोजित करने की मंजूरी देते हुए बहुत खुश है हालांकि इस संबंध में आपको बीसीसीआई द्वारा जारी की गई एडवाइजरी और दिशा-निदेर्शों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। साथ ही हम यह दोहराते हैं कि महामारी की स्थिति के कारण यह एक बार प्रदान की गई अनुमति है पर यह आदर्श स्थिति नहीं है। शीर्ष परिषद के फैसले को देखते हुए यह मंजूरी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अलावा तमिलनाडु, कर्नाटक और सौराष्ट्र ने अपनी-अपनी लीग आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। वहीं अंतिरम सीईओ अमीन के मुताबिक राज्य लीग के लिए सामान्य दिशा-निदेर्शों के तहत टूनार्मेंट को आईपीएल के दौरान या आईपीएल से 15 दिन पहले और 15 दिन बाद या 15 सितंबर से फरवरी 2022 के दौरान आयोजित करने की अनुमति नहीं है।

डुप्लेसिस ने जडेजा की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल में कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम अंक तालिका में पहले स्थान पर आ गई है। सीएसके ने बुधवार को सनराईजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर एक और जीत दर्ज की थी। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और फैफ डुप्लेसिस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। डुप्लेसिस ने बल्लेबाजी के दौरान 38 गेंदों पर 56 रन बनाये थे। मैच के बाद डुप्लेसिस ने कहा कि इस जीत से बेहद खुशी मिली है। डुप्लेसिस ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह हर किसी मैच में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच रहा है। जिसे प्रकार के कैच अब तक उसने पकड़े हैं उससे वह किसी सुपरमैन के समान लग रहा है।

डुप्लेससि ने कहा कि मेरे और रुतुराज के बीच की साझेदारी काफी बेहतर रहीं। अगर आपको टी20 मैचों में अच्छी शुरूआत मिल जाए तो राह आसान हो जाती है। मैंने इस सत्र में अबतक केवल बल्लेबाजी की मूल बातों पर ही ध्यान दिया है। मैंने उन चीजों पर भी ध्यान दिया जो मैंने पिछले साल अच्छी की थी और उसी को वापिस दोहराने की कोशिश की। डुप्लेसिस ने साथ ही कहा कि यह पिच क्रिकेट के लिए बहुत अच्छी है। हमारी टीम में संतुलन भी है। इसी कारण हम पिछले सत्र की गलतियों से उबर पाये हैं।

डुप्लेसिस ने कहा कि हमारी टीम में रॉबिन उथप्पा जैसे बल्लेबाज अब भी बेंच पर है जो सबसे बड़ी बात है। जिस प्रकार टीम में बदलाव किये गये हैं उससे वह संतुलित हो गयी है। सभी खिलाड़ियों का भी इसमें अहम योगदान रहा है। लेकिन इसमें और भी गहराई होनी चाहिए।